

प्रदेश के विकास और कल्याण के लिए जनता का अटूट विश्वास ही हमारी ताकत-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सबके सहयोग से हम एक नया मध्यप्रदेश गढ़ने जा रहे हैं। विकसित मध्यप्रदेश के लिए गांव, गरीबों, किसानों, युवाओं, महिलाओं, सभी को आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध बनाना जरूरी है और हम इसी दिशा में मिशन मोड में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश के किसी भी क्षेत्र को विकास से वंचित नहीं रहने देंगे। विकास की राह पर हम सब मिलकर आगे बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को सीधी जिले की सिंहावल विधानसभा क्षेत्र के तहसील मुख्यालय बहरी में विभिन्न शासकीय विभागों के हितग्राहियों के प्रशिक्षण सह उनमुखीकरण

कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनता का सरकार पर अटूट विश्वास ही हमें प्रदेश के समग्र विकास और



कल्याण के लिए नई ऊर्जा और ताकत देता है। नए विकास कार्यों और नवरोजगार सृजन से हम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को स्थायी मजबूती देने के लिए हर जरूरी प्रयास कर रहे हैं। इस मौके पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम बहरी से ही सीधी जिले के लिए 201 करोड़ 64 लाख रूपए की लागत वाले कुल 209 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इसके अतिरिक्त 11 करोड़ 58 लाख रूपए की लागत से एक बगिया मॉ के नाम के अंतर्गत 505 कार्यों का भी शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री ने 133 करोड़ 62 लाख रूपए के 30 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं 68 करोड़ रूपए से अधिक की लागत वाले 179 विकास कार्यों का लोकार्पण कर सीधी जिलेवासियों को कई निर्माण कार्यों की सीमागत दी। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहरी में नया

कॉलेज खोलने की घोषणा की। यह कॉलेज अगले सत्र से ही प्रारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ग्राम बहरी से चुरहट तक 129 करोड़ की लागत से 64.54 कि.मी. लंबे टू-लेन रोड निर्माण की भी घोषणा इस मौके पर की। उन्होंने सिंहावल और देवसर के महाविद्यालयों में विज्ञान और वाणिज्य संकाय की कक्षाएं प्रारंभ करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने देवसर में वर्तमान में संचालित पार्ट टाइम एडिशनल कलेक्टर कोर्ट को अब फुल टाइम संचालित किए जाने की घोषणा की। साथ ही सीधी जिले की गोपद नदी पर 500 मीटर लंबा एक नया पुल तथा महान नदी पर रपटा बनवाने की घोषणा भी की।

ईडी रेड पर बंगाल में बवाल! कोलकाता में ममता बनर्जी का विरोध मार्च...दिल्ली में TMC ने खोला मोर्चा

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में IPAC ऑफिस पर प्रवर्तन निदेशालय (ED) की रेड के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोलकाता में विरोध मार्च किया। ममता का यह मार्च ईडी की छापेमारी के खिलाफ है। सीएम ममता टीएमसी के हजारों समर्थकों के साथ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। पार्टी के सीनियर नेताओं, मंत्रियों, सांसदों विधायकों और बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ, बनर्जी ने 8B बस स्टैंड इलाके से मार्च शुरू किया। इस दौरान BJP की केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए गए, उन्होंने 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक बदले के लिए सेंट्रल एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। हाजरा मोड़ की ओर बढ़ रही यह रैली, गुरुवार को श्रद्ध के सचं ऑपरेशन के

दौरान जैन के लाउडन स्ट्रीट वाले घर पर बनर्जी के नाटकीय दौर के बाद हुई है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया था कि



एजेंसी तृणमूल कांग्रेस के अंदरूनी डॉक्यूमेंट्स, हार्ड डिस्क और किसी भी फाइनेंशियल जांच से जुड़े नहीं कॉन्फिडेंशियल ऑर्गेनाइजेशनल डेटा को जब्त करने की कोशिश कर रही थी।

दिल्ली में TMC का विरोध प्रदर्शन बता दें कि, पश्चिम बंगाल में IPAC ऑफिस पर प्रवर्तन

सांसदों ने विरोध किया, उनमें शताब्दी रॉय, डेरेक ओ'ब्रायन, महुआ मोइत्रा और कीर्ति आजाद समेत कई लोग शामिल थे। पुलिस से इन लोगों की झड़प होने की भी खबर मिली है। वहीं, कोलकाता में सीएम ममता बनर्जी भी कथित कोयला तस्करी घोटाले के सिलसिले में IPAC ऑफिस पर प्रवर्तन निदेशालय (ED) की रेड के बाद आज शुक्रवार 9 जनवरी को कोलकाता में विरोध-प्रदर्शन करेंगी। विरोध-प्रदर्शन के दौरान शताब्दी रॉय ने कहा कि उन्होंने कल गुरुवार को ईडी की टीम भेजी और उन्हें चुनाव के समय सब कुछ याद आता है। वे चुनाव के दौरान ईडी, सीबीआई की टीमों सिर्फ जीतने के लिए भेजते हैं, लेकिन वे चुनाव नहीं जीत पाएंगे।

सार-समाचार

हादसे में बच्ची समेत 4 की मौत, 7 घायल
तुमकुरु। कर्नाटक के तुमकुरु जिले में शुक्रवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। श्रद्धालुओं से भरा एक टेम्पो ट्रैवलर वाहन सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। हादसे में एक बच्ची समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी सबरीमाला मंदिर से लौट रहे थे। ट्रकवर से टेम्पो ट्रैवलर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मृतकों की पहचान साक्षी (7), वैक्टेशम्पा (30), मरुत्पा (35) और गविसिद्धम्पा (40) के रूप में हुई है। सभी मृतक कोयल जिले के रहने वाले थे। हादसे में सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

कंक्रीट स्लैब गिरने से छत्र की मौत
बालासोर। ओडिशा के बालासोर जिले के बलियापाल ब्लॉक में एक सरकारी स्कूल परिसर में हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। स्कूल समय के दौरान गिरा कंक्रीट स्लैब एक कक्षा पांच के छत्र की जान ले गया। मृतक छत्र की पहचान प्रह्लाद घाला के रूप में हुई है, जो बलियापाल ब्लॉक के बड़स अपर प्राइमरी स्कूल में पढ़ता था। प्रास जानकारी के अनुसार, घटना दोपहर के रैसेस ब्रेक के दौरान हुई, जब छत्र स्कूल परिसर में खेल रहे थे। इसी दौरान स्कूल में नए भवन के निर्माण कार्य के तहत लगाया गया एक कंक्रीट स्लैब अचानक टूटकर गिर पड़ा। स्लैब सिधे प्रह्लाद पर गिरा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद स्कूल प्रशासन और स्थानीय लोगों ने घायल छत्र को बलियापाल आईडीसीओ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई गई।

राजकोट में 24 घंटे में 7 भूकंप आए
राजकोट। गुजरात के राजकोट में पिछले 24 घंटे में भूकंप के 7 झटके महसूस किए गए। झटके हल्के थे जिससे किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक इन झटकों की तीव्रता 2.7 से 3.8 के बीच दर्ज की गई। एहतियात के तौर पर आसपास के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह 6 बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। पहला झटका सुबह 6:19 बजे, दूसरा झटका 6:55 बजे और तीसरा 6:58 पर आया। इसी तरह सुबह 7:10 पर पांचवां, 7:13 पर छठा और 7:33 पर सातवां भूकंप आया। सुबह 6:19 बजे आए भूकंप की तीव्रता 3.8 मैग्नीट्यूड थी। वहीं गुरुवार रात 8:43 बजे भी झटका महसूस किया गया था।

बाघ की 37 खालें और 133 नाखून जब्त
नर्मदा। गुजरात में नर्मदा जिले के राजपीपला शहर के पास स्थित प्रसिद्ध धर्मेश्वर महादेव मंदिर के पुराने भवन से बाघ की 37 खालें और 133 नाखून जब्त हुए हैं। वन विभाग ने खालों और नाखूनों के 30- से 35 साल पुराने होने का अनुमान लगाया है। हालांकि, वन विभाग ने इनकी प्रामाणिकता की पुष्टि के लिए नमूने वन सेवा विभाग (एफएसएन) को भेजे हैं। राजपीपला शहर के हेनुमान धर्मेश्वर मंदिर के कैपस में जर्जर मकान की मरम्मत के दौरान बंदूक आने पर मंदिर दूरियों ने वन विभाग को सूचना दी। इसके बाद वन-विभाग की टीम मौके पर पहुंची और एक कमरे से बाघों की खाल और नाखूनों से भरी एक पूरी थैली बाहर निकाली।

दंतेवाड़ा में 63 नक्सलियों ने किया सरेंडर

एक करोड़ से ज्यादा का था इनाम, 18 महिलाएं भी शामिल



जिनमें 18 महिला नक्सली भी शामिल हैं। यह घटना राज्य में नक्सलवाद के खिलाफ चल रही लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है।

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। लोन वरार्दू अभियान के तहत आज 63 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जिनमें 18 महिला नक्सली भी शामिल हैं। यह घटना राज्य में

नक्सलवाद के खिलाफ चल रही लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है। आत्मसमर्पण करने वालों में पश्चिम बस्तर डिबीजन कमेटी के सचिव मोहन कड़ती भी शामिल है, जिसने अपनी पत्नी के साथ आत्मसमर्पण किया है। इन नक्सलियों पर कुल मिलाकर एक करोड़ रुपये से अधिक का इनाम घोषित था, जो उनकी नक्सली गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। इस बड़े पैमाने पर हुए आत्मसमर्पण से नक्सलियों के संगठन को बड़ा झटका लगा है।

अभियान की व्यापकता

यह आत्मसमर्पण केवल छत्तीसगढ़ प्रदेश के नक्सलियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश के बाहर के भी नक्सली शामिल हैं। यह इस बात का संकेत देता है कि राज्य की पुलिस और सुरक्षा बल नक्सलवाद के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई कर रहे हैं और नक्सलियों के प्रभाव को कम करने में सफल हो रहे हैं। लोन वरार्दू (घर वापसी) अभियान के तहत नक्सलियों को मुख्यधारा में वापस लाने के प्रयास सफल हो रहे हैं, जिससे क्षेत्र में शांति और विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

सुरक्षाबलों के प्रयास

सुरक्षा बलों द्वारा लगातार चलाए जा रहे सघन अभियान, नक्सलियों के विरुद्ध मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने और उन्हें आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को सरकार की पुनर्वास नीतियों के तहत मुख्यधारा में एकीकृत करने और उन्हें बेहतर जीवन जीने के अवसर प्रदान करने की व्यवस्था की जाएगी। इस सफलता से क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति में सुधार की उम्मीद है और विकास कार्यों को गति मिलेगी। यह घटना छत्तीसगढ़ सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव-29 नगर निगमों में 15 जनवरी को वोटिंग

मुंबई। BMC समेत महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में चुनाव को लेकर महाराष्ट्र भर में चुनाव प्रचार जारी है। नासिक में शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को भाई राज ठाकरे के साथ जनसभा की। उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी के हिंदुत्व के प्रति समर्पण पर सवाल उठाया। दागी नेताओं को शामिल करने पर कहा कि वह इतनी बेशर्मा हो गई है कि वह राक्षस राजा रावण को भी अपने साथ मिला सकती है। वहीं राज ने आरोप लगाया कि बीजेपी धर्म और जाति के नाम पर लोगों को गुमराह करना चाहती है। आप हमें सत्ता सौंपें और देखें, हम शहर को पहले जैसा बना देंगे।

बस दुर्घटनाग्रस्त, 12 लोगों की मौके पर ही मौत; कई घायल

सिरमौर जिले के हरिपुरधार में

शिमला। सिरमौर जिले के हरिपुरधार में निजी बस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। घायलों को घटनास्थल से निकाला जा रहा है। वहीं बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रहा है। ये बस कुपवी से शिमला जा रही थी। जो हरिपुरधार के पास खाई में गिर गई। जानकारी के अनुसार बस में 30 से 35 लोग सवार थे। स्थानीय लोग हादसे में घायलों को बाहर सड़क तक लेकर आ रहे हैं। घटना के बाद मौके पर चीखों पुकार दहाह और नाहन लाया जा रहा है। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। उधर, उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान दुर्घटना पर सरकार की ओर से शोक जताया है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज नाहन में गंभीर रूप से लाए जा रहे मरीजों के उपचार के लेकर उचित व्यवस्था के निर्देश दिए।



बस में 30-35 लोग सवार थे। और जानकारी का इंतजार है। मैं मौके पर जा रहा हूं। पुलिस और दूसरी बचाव टीमें घायलों को निकालने की कोशिश कर रही हैं। सिरमौर जिले के हरिपुरधार में शुक्रवार दोपहर बाद एक निजी बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 12 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई घायल हो गए। घटना के बाद राहत बचाव कार्य जारी है। गंभीर रूप से घायल पांच मरीजों को उपचार के लिए हायर सेंगड़ाह, दहाह और नाहन लाया जा रहा है। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। उधर, उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान दुर्घटना पर सरकार की ओर से शोक जताया है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज नाहन में गंभीर रूप से लाए जा रहे मरीजों के उपचार के लेकर उचित व्यवस्था के निर्देश दिए।

लैंड फॉर जॉब स्कैम में लालू के खिलाफ आरोप तय कोर्ट ने कहा- परिवार के खिलाफ पुख्ता सबूत

नई दिल्ली। लैंड फॉर जॉब घोटाला मामले में दिल्ली कोर्ट ने RJD सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव समेत अन्य के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि लालू यादव और उनके परिवार ने आपराधिक सिंडिकेट की तरह काम किया। आरोपियों के बीच व्यापक आपराधिक साजिश के स्पष्ट संकेत हैं। सीबीआई केस में लैंड के बदले नौकरी देने की साजिश प्रथम दृष्ट्या साबित होती है। मामले में आगे ट्रायल की प्रक्रिया शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। इस मामले में लालू यादव की पत्नी राबड़ी देवी, मीसा भारती

और बेटे तेजस्वी यादव आरोपी हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में क्या-क्या कहा है? जज विशाल गोपाने ने आदेश सुनाते हुए कहा- कोर्ट



संदेह के आधार पर यह पाती है कि लालू यादव ने अपने परिवार के लिए अचल संपत्तियां प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक रोजगार को सोदेबाजी के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की एक व्यापक साजिश रची थी। कोर्ट ने

आगे कहा कि जो चार्जशीट में कहा गया है, उसे अगर मान लिया जाए तो इस मामले में लालू को अपने करीबी सहयोगियों का भी साथ मिला। सीबीआई ने चार्जशीट में क्या कहा है? सीबीआई ने इस मामले में जो चार्जशीट दाखिल की है, उसमें कहा गया है कि 2004 से 2009 तक रेल मंत्री रहने के दौरान लालू यादव ने नौकरी के बदले अभ्यर्थियों से जमीन गिफ्ट में लिया। दाखिल चार्जशीट में कहा गया है कि रेल मंत्री रहते उन्होंने नियमों को ताक पर रख रेलवे में गुप्त-छ श्रेणी की भर्तियों की गई और बदले में अभ्यर्थी की जमीन लालू प्रसाद यादव के

परिवार या उनके करीबी लोगों के नाम पर ट्रांसफर करवा ली गई। 2020 के बाद सीबीआई और ईडी ने लैंड फॉर स्कैम केस में बिहार और दिल्ली के कई ठिकानों पर छापेमारी की। इसके बाद 18 मई 2022 को सीबीआई ने इस मामले में केस दर्ज किया। 7 अक्टूबर 2022 को सीबीआई ने जमीन के बदले नौकरी मामले में पहली चार्जशीट दाखिल की। जून 2024 में सीबीआई ने इस मामले में अंतिम चार्जशीट दाखिल की। सीबीआई ने इस केस में 107 लोगों को आरोपी बनाया था, जिसमें 38 वे लोग थे, जो जमीन देकर नौकरी पाए थे।

गुर्जर द बाॅस रियलिटी शो में सिलेक्शन होने पर प्रवीण चपराना का हुआ भव्य स्वागत

गुड मॉर्निंग भारत रियलिटी शो में सिलेक्ट होने पर लोहिया नगर के लाल क्रांटी में वीरपाल चपराना जी द्वारा किया गया वेव सिटी में अभिनव कुटेल द्वारा फटेले नगर में मोहित विधुड़ी के द्वारा इनायतपुर में नरेंद्र नागर जी के द्वारा महिंद्रा एंक्लेव में मास्टर मनोज जागर जी के द्वारा सराय नजर अली में पार्षद बिल्लू यादव के द्वारा और विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया। इस स्वागत समारोह में जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों के व्यक्ति मौजूद रहे।



भाजपा गंगा पार जिले में मतदाता सूची संशोधन अभियान को मिली गति, फॉर्म 6, 7, 8 पर हुई महत्वपूर्ण बैठक

गुड मॉर्निंग भारत मोहित निषाद प्रयागराज, झूंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गंगा पार जिला प्रयागराज ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को तेज करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। जिला अध्यक्ष श्रीमती निर्मला पासवान की अध्यक्षता में आज दोपहर झूंसी मंडल के विजय सिंह के आवास (दुर्गा मंदिर, न्याय नगर, झूंसी) में हुई इस बैठक में फॉर्म 6, 7 और 8 के उपयोग, नए मतदाताओं को जोड़ने, गलत/अनावश्यक नाम हटाने और प्रविष्टियों में सुधार पर विस्तृत चर्चा हुई।

झूंसी मंडल अध्यक्ष रोहित कुमार निषाद की अगुवाई में आयोजित बैठक में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने आगामी चुनावी तैयारियों और रणनीतियों पर भी गहन मंथन किया। उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने पार्टी की नीतियों

को जन-जन तक पहुंचाने और मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन एवं समावेशी बनाने का दृढ़



संकल्प लिया। श्रीमती निर्मला पासवान ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा, ‘हमारा मुख्य लक्ष्य है कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर काम करें। फॉर्म 6

के माध्यम से नए मतदाताओं को जोड़ना, फॉर्म 7 से गलत नाम हटाना और फॉर्म 8 से प्रविष्टियों

भी एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि पार्टी के सभी स्तरों पर समन्वय से जनता तक पहुंच बढ़ाई जाएगी और स्ट्रुक्च अभियान को पूर्ण सफलता दिलाई जाएगी। बैठक में उपस्थित प्रमुख पदाधिकारी रोहित कुमार निषाद (झूंसी मंडल अध्यक्ष), सत्य तिवारी (पूर्व जिला मंत्री)

प्रभाकर दुबे (पूर्व झूंसी मंडल महामंत्री), पवन पांडेय (मंडल महामंत्री), विजय सिंह (मंडल उपाध्यक्ष), अवधेश चौहान (मंडल उपाध्यक्ष), नीलम गिरी (मंडल उपाध्यक्ष), पूनम सिंह (मंडल मंत्री) रीतू सिंह (मंडल मंत्री), अशोक भारतीय (मंडल मंत्री)

बैठक में लिए गए निर्णयों को तत्काल अमल में लाने की योजना बनाई गई है। पार्टी के आगामी कार्यक्रमों और जागरूकता अभियानों की विस्तृत जानकारी शीघ्र जारी की जाएगी।

मूरतगंज सब्जी बाजार में युवकों को पीट कर दिया घायल

गुडमॉर्निंग भारत कौशांबी। संदीपन घर थाना क्षेत्र के मूरतगंज स्थित सब्जी बाजार में सब्जी खरीदने के विवाद में दुकानदारों ने तीन को पीटकर घायल कर दिया शिकायत पर पुलिस जांच पड़ताल में जुटी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के मूरतगंज निवासी नितेश कुमार का 16 वर्षीय पुत्र प्रिंस साहू शुक्रवार शाम मूरतगंज सब्जी बाजार में सब्जी खरीदने गया था तभी सब्जी खरीदते वक्त दुकानदारों से उसकी किसी बात को लेकर बहस हो गई।



और दुकानदारों ने उसे गली गलौज किया। घर पहुंच कर प्रिंस दे पिता नितेश से गाली गलौज की बात बताई तो वह अपने भाई मिथलेश साहू के साथ सब्जी बाजार दुकानदार से बात करने पहुंचे तो दुकानदारों ने तीनों मारपीटकर घायल कर दिया किसी तीनों जान बचाकर वहां से भागे और मूरतगंज पुलिस चौकी पहुंचे जहां पर उन्होंने लिखित शिकायत दिया इसके बाद मूरतगंज चौकी पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई। और तीनों घायलों को इलाज के लिए मूरतगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा।

झूंसी के छिबैया गांव से पकड़े गए तेंदुए को आज जंगल में आजाद किया गया, चित्रकूट के रानीपुर टाइगर रिजर्व में छोड़ा

गुड मॉर्निंग भारत मोहित निषाद प्रयागराज, झूंसी। प्रयागराज के झूंसी थाना क्षेत्र के छिबैया गांव में गुरुवार को पकड़े गए तेंदुए को आज वन विभाग ने सुरक्षित रूप से जंगल में छोड़ दिया। यह तेंदुआ पिछले करीब 6 महीनों से क्षेत्र में दहशत फैलाए हुए था, जिसमें कई पशुओं पर हमले और ग्रामीणों में खौफ का माहौल बना रहा। वन विभाग के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 5-8 बजे के बीच तेंदुआ छिबैया गांव में पहुंचा और दो ग्रामीणों-सूर्य प्रकाश (25) और मनोज कुमार (35)- पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद तेंदुआ शेखर सिंह (किसान) के मकान में घुस गया। घर में मौजूद बच्चों ने तुरंत साहस दिखाते हुए दरवाजा बाहर से बंद कर दिया और घर में फंसे परिवार के सदस्यों (एक युवती और एक महिला अपने दो छोटे बच्चों



सहित) को रोशनदान के रास्ते से सुरक्षित बाहर निकाला। घटना की सूचना पर झूंसी

पुलिस, पीएसी और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। कानपुर से विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम बुलाई

गई, जिन्होंने ट्रैकुलाइजर गन की मदद से तेंदुए को बेहोश कर शाम करीब 6:30 बजे सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। रेस्क्यू ऑपरेशन लगभग 9-10 घंटे चला, जिसमें हजारों ग्रामीण जमा हो गए थे और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। डीएफओ अरविंद कुमार यादव ने बताया कि रेस्क्यू के बाद तेंदुए की मेडिकल जांच की गई, जिसमें वह स्वस्थ पाया गया। विभागीय अनुमति के बाद आज सुबह वन विभाग की टीम ने तेंदुए को चित्रकूट जिले के मानिकपुर रेंज स्थित रानीपुर टाइगर रिजर्व में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया, जहां वह अब स्वतंत्र रूप से विचरण करेगा। यह सफल रेस्क्यू और रिलीज ऑपरेशन मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने में वन विभाग की तत्परता को दर्शाता है। ग्रामीणों ने ग्रामीणों की बहादुरी और प्रशासन की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है।

सोनभद्र में खुले में जाम छलकाना पड़ा महंगा, एसपी के निर्देश पर चले अभियान में 17 गिरफ्तार

गुड मॉर्निंग भारत जिला संवाददाता विकास कुमार रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर हड़कंधे करने वालों और सामाजिक मर्यादा भंग करने वालों के खिलाफ सोनभद्र पुलिस ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चलाए गए विशेष अभियान के तहत रॉबर्ट्सगंज पुलिस ने सड़कों और चौराहों पर शराब का सेवन कर रहे 17 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा है। अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) श्री अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी नगर श्री रमधारी कुमार मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में रॉबर्ट्सगंज थाना पुलिस ने नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों, चौराहों और सड़क किनारों

पर छापेमारी की। इस औचक कार्रवाई से खुले में शराब पीने वालों के बीच हड़कंधे मच गया। पुलिस ने मौके से कुल 17 लोगों को हिरासत में लिया, जो कानून का उल्लंघन कर सार्वजनिक स्थानों पर नशा कर रहे थे। पुलिस ने पकड़े गए सभी अभियुक्तों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 170, 126 और 135 के तहत वैधानिक कार्रवाई की है। आवश्यक लिखा-पट्टी के बाद सभी का चालान

माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। **गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों का विवरण-** पकड़े गए लोगों में रॉबर्ट्सगंज, पन्नगंज, घोरावल और पड़ोसी जनपद चंदौली के निवासी शामिल हैं। इनमें संदीप कुमार (32), अभिषेक कुमार (36), रोहित कुमार (35), अविनाश सोनी (27), राजदीप कुमार (26), विकास कुमार सिंह (36), रितेश

कुमार (28), महेंद्र सिंह पटेल (30), जितेंद्र कुमार (26), पीयूष कुमार सिंह (42), रामनरेश (58), राहुल (26), विशेष सिंह पटेल (29), रुद्र प्रताप सिंह (25), सूर्यकांत तिवारी (25) और शशिकांत केशरी (24) शामिल हैं। सोनभद्र पुलिस ने इस अभियान के माध्यम से स्पष्ट संदेश दिया है कि सार्वजनिक शांति, कानून व्यवस्था और सामाजिक मर्यादा के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा। पुलिस प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे कानून का पालन करें, सामाजिक अनुशासन बनाए रखें और पुलिस का सहयोग करें ताकि जिले में शांति व्यवस्था कायम रहे।

मिट्टी में रेंगती जिंदगी, कागजों में दौड़ता विकास प्रयागराज के नए वार्डों में बदहाली की सच्चाई

गुड मॉर्निंग भारत मोहित निषाद प्रयागराज, झूंसी। नगर निगम में शामिल किए गए नए वार्डों की हकीकत एक कड़वी सच्चाई पेश कर रही है। जहां एक ओर नगर निगम ने इन क्षेत्रों में हाउस टैक्स, ग्रह कर और अन्य शुल्क वसूलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, वहीं बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बदतर से बदतर होती जा रही है। पंचायती राज व्यवस्था से बदतर हालात वाले इन नए वार्डों में सफाई, नालियां और सड़कें कागजों पर ही ‘विकास’ दिखा रही हैं, जबकि जमीनी हकीकत में कूड़े के ढेर, चोक नालियां और गंदा पानी लोगों की जिंदगी को मुश्किल बना रहा है।

स्थानीय निवासी कृष्णा कुमार यादव ने मलावा खुर्द गांव की स्थिति पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि नालियां पूरी तरह चोक हो चुकी हैं। इससे सड़कों पर

कीचड़ युक्त गंदा पानी बह रहा है, जिससे आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानी हो रही है। दुर्गंध



इतनी तेज है कि बीमारियां फैलने का खतरा मंडरा रहा है। गांव की गलियों में सफाई कर्मी आते तो हैं, लेकिन झाड़ू लगाना नाममात्र का

है। सड़कों के किनारे झाड़ियां इतनी घनी हो गई हैं कि ग्रामीणों का आना-जाना दूभर हो गया है। नालियों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव नहीं होने से मच्छरों और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। यह स्थिति केवल मलावा खुर्द तक सीमित नहीं है। झूंसी क्षेत्र के कई नए वार्डों में कूड़ा उठाने वाली नगर निगम की गाड़ियां मुख्य मार्गों पर तो दौड़ती दिखती हैं, लेकिन गांवों और बस्तियों में कूड़े का ढेर लगा रहता है। सफाई व्यवस्था मुख्य सड़कों तक ही सीमित है, जबकि ग्रामीण इलाकों में सफाई सिर्फ कागजों पर दर्ज की जाती है।

नगर निगम की ओर से ‘मेरा वार्ड, मेरी जिम्मेदारी’ जैसे जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर सुधार नजर नहीं

आ रहा। नगर निगम प्रयागराज ने कुछ वर्ष पहले शहर की सीमाओं का विस्तार कर 80 से बढ़ाकर 100 वार्ड कर दिए थे, जिसमें झूंसी, नैनी, फाफामऊ और झलवा जैसे क्षेत्रों के कई ग्रामीण इलाके शामिल हुए। इन नए वार्डों में विकास के दावे किए जाते हैं, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि टैक्स वसूली तेज हो गई है, जबकि बुनियादी सुविधाएं पंचायती राज काल से भी खराब हो गई हैं। स्थानीय निवासियों ने नगर निगम से तत्काल मांग की है कि नालियों की सफाई, कूड़े का नियमित उठान, सड़कों की मरम्मत और कीटनाशक छिड़काव सुनिश्चित किया जाए। अन्यथा यह ‘विकास’ केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा, जबकि मिट्टी में रेंगती जिंदगी की सच्चाई छिप नहीं सकेगी।

सोनभद्र अनपरा पुलिस को मिली बड़ी सफलता 1.3 किलो अवैध गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

गुडमॉर्निंग भारत रवि कुमार भारद्वाज ओबरा संवाददाता सोनभद्र। जनपद में अपराधियों और नशीले पदार्थों के तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अनपरा पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी करते हुए एक युवक को सवा किलो से अधिक अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस महानिरीक्षक के निर्देशन में हुई कार्रवाई- पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, श्री अभिषेक वर्मा द्वारा जिले में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) श्री अनिल कुमार के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी पिपरी श्री हर्ष पाण्डेय के कुशल निर्देशन में थाना अनपरा मिश्रा को यह सफलता प्राप्त हुई। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार



खेप लेकर जा रहा है। सूचना मिलते ही सक्रिय हुई पुलिस टीम ने जाल बिछाया और आकाश कुमार मिश्रा को धर दबोचा। तलाशी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से 1

किलो 310 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान आकाश कुमार मिश्रा (उम्र 22 वर्ष) पुत्र शिवशंकर नाथ मिश्रा, निवासी डिबुलगंज, थाना अनपरा के रूप में हुई है। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ मु0अ0सं0-03/2026 धारा 8/20 NDPS Act के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। आवश्यक कानूनी कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

सराहनीय भूमिका निभाने वाली पुलिस टीम- इस सफल कार्रवाई में निम्नलिखित पुलिस कर्मियों का मुख्य योगदान रहा उ0नि0 संतोष कुमार सिंह (चौकी प्रभारी रेनुसागर), हे0का0 कमलेश सिंह यादव, का0 अजीत यादव, का0 संजय कुमार पाल कार्रवाई में शामिल थे।

सोनभद्र में जिलाधिकारी ने जिले के पहले सोया मिल्क प्लांट का भव्य शुभारंभ

गुड मॉर्निंग भारत जिला संवाददाता विकास कुमार सोनभद्र। सोनभद्र जनपद के विकास पथ पर आज एक नया अध्याय जुड़ गया। विकास खंड करमा के ग्राम केकराही में जनपद के पहले सोया मिल्क प्लांट का औपचारिक उद्घाटन जिलाधिकारी (DM) द्वारा फीता काटकर किया गया। यह पहल न केवल जिले में पोषण के स्तर को सुधारेगी, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक मौलिक पथर साबित होगी।

महिलाओं के हाथों में होगी कमान- इस प्लांट का संचालन संकल्प प्रेरणा महिला संकुल स्तरीय संघ द्वारा किया जा रहा है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) के सहयोग से स्थापित इस प्लांट के माध्यम से 10

से अधिक महिलाएं सीधे तौर पर जुड़कर उद्यमी बन रही हैं। सोया मिल्क, सोया पनीर (टोफू), सोया दही, सोया खोवा और सोया बड़ी।



लगभग 3 लाख रुपये की लागत वाली यह मशीनरी NRLM के आर्थिक सहयोग से स्थापित की गई है। समूह सदस्यों के अनुसार, इस प्लांट के माध्यम से महिलाएं प्रतिदिन 1,000 से 2,000 रुपये

तक की शानदार आमदनी कर सकेंगी।

सेहत का खजाना: क्यों खास है सोया उत्पाद- विशेषज्ञों



और समूह की महिलाओं ने सोया उत्पादों को ‘सुपरफूड’ बताते हुए इसके कई स्वास्थ्य लाभ साझा किए। शाकाहारियों और जिम जाने वालों के लिए बेहतरीन प्लांट-बेस्ड प्रोटीन कैल्शियम और

आइसोफलेवोनस से भरपूर, जो ऑस्टियोपोरोसिस से बचाता है। समूह की सदस्य सविता और रागिनी ने बताया कि वे प्रशिक्षण प्राप्त कर अब कुशलता से उत्पादन कर रही हैं। प्लांट शुरू होते ही उन्हें बाजार से सोया पनीर के बड़े ऑर्डर मिलने भी शुरू हो गए हैं, जो इनके उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। यह पहल जिले में श्वेत क्रांति के साथ-साथ ‘सोया क्रांति’ की शुरुआत है। केकराही का यह मॉडल सोनभद्र की महिलाओं को उद्यमी बनाकर उनके जीवन स्तर में बड़ा सुधार लाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर जिलाधिकारी के साथ जिला विकास अधिकारी (DDO), डीसी एनआरएलएम (DC NRLM), जिला पंचायत राज अधिकारी (DPRO), खंड विकास अधिकारी (BDO) समेत सैकड़ों स्वयं सहायता समूह की महिलाएं मौजूद रहीं।

सोनभद्र के कोटा ग्राम में अपनों की सरकार में आदिवासियों की उपेक्षा, लकड़ी के सहारे टिकी 50 परिवारों की जिंदगी

गुड मॉर्निंग भारत जिला संवाददाता विकास कुमार सोनभद्र 7 एक तरफ देश ‘डिजिटल इंडिया’ और ‘अमृत काल’ का जश्न मना रहा है, वहीं उत्तर प्रदेश के ऊर्जाचल जिले सोनभद्र से विकास की दावों की पोल खोलती एक भयावह तस्वीर सामने आई है। जिला मुख्यालय से महज 45 किमी दूर, कोटा ग्राम सभा के छोकणा डांग अंतर्गत पटौहिवा टोला के करीब 50 आदिवासी परिवार आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आजादी के 78 साल बाद भी इस टोले के लोग एक अदृढ़ पुलिया के लिए तरस रहे हैं। ग्रामीण एक गहरे नाले को पार करने के लिए लकड़ी के जर्जर और अस्थायी ‘मेड़’ (पुल) का

सहारा लेते हैं। यह लकड़ी का ढांचा इतना कमजोर है कि कभी भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है। स्कूली



बच्चे हर दिन अपनी जान हथेली पर रखकर इस पर चलते हैं। **स्वास्थ्य सेवाएं ‘चारपाई’ के भरोसे-** पुलिया न होने का सबसे अमानवीय पहलू तब सामने आता है जब कोई बीमार पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क और पुल न होने के कारण एम्बुलेंस टोले तक नहीं पहुँच पाती। गर्भवती

महिलाओं और गंभीर मरीजों को चारपाई पर लादकर उफनते नाले के बीच से ले जाना पड़ता है।

मानसून के दौरान नाला भर जाने पर ये 50 परिवार पूरी दुनिया से कट जाते हैं। पुलिया के अभाव में केवल आवाजाही ही नष्ट, बल्कि सरकारी योजनाएँ भी दम तोड़ रही हैं। निर्माण सामग्री (ईंट, सीमेंट, बालू) ले जाने वाले वाहन टोले के अंदर नहीं जा पाते। नतीजा यह है कि प्रधानमंत्री

आवास योजना के तहत स्वीकृत घर भी अधूरे पड़े हैं या बन नहीं पा रहे हैं।

जनप्रतिनिधियों और ग्राम प्रधान की उदासीनता- ग्रामीण रामशरण के अनुसार, दशकों से चुनाव आते-जाते रहे, वादे हुए लेकिन धरातल पर कुछ नहीं बदला। वर्तमान ग्राम प्रधान पहलाद चेतो पर भी आरोप है कि वे समस्या से वाकिफ होने के बावजूद आज तक ग्रामीणों का हाल जानने नहीं आए। **निष्कर्ष** - समाज कल्याण मंत्री के गुह जनपद में आदिवासियों का लकड़ी के पुल पर चलना लोकतंत्र के लिए एक बड़ी विडंबना है। यह केवल एक पुलिया का निर्माण नहीं, बल्कि उस भरोसे की बहाली का सवाल है।

जमीन पर कब्जा करने वालों को जेल में डालें : सीएम योगी

अफसरों को दिए निर्देश-बिना भेदभाव सबको मिले न्याय

गोरखपुर

सीएम योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को निर्देश देते हुए कहा, वह पूरी तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। जमीन पर कब्जा करने वालों को जेल भेजें। दबंगों पर सख्त कार्रवाई की जाए। हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री योगी गुरुवार को जनता दर्शन में आए फरियादियों की शिकायत सुन रहे थे। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठे लोगों तक खुद गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को ध्यान से सुना। सबके प्रार्थना पत्रों को संबोधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध है।



पैसे के अभाव में नहीं रुकेगा इलाज

जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में मुख्यमंत्री ने शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए।

सीएम योगी ने की गोसेवा, गांवश को खिलाया गुड़

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। गावों और गांवश को स्नेहिल भाव से गुड़ खिलाया। गुरुवार सुबह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिजनों के साथ आए बच्चों से मिल उन्हें प्यार-दुलार, आशीर्वाद और चॉकलेट दिया।

सड़क किनारे अनियंत्रित होकर पलटा ट्रक, एक ही गांव के 13 लोग घायल, 5 गंभीर

श्रावस्ती। यूपी के श्रावस्ती में बृहस्पतिवार की दोपहर ई-रिक्शा को टक्कर मारते हुए अनियंत्रित ट्रक पलट गया। टक्कर से ई-रिक्शा भी सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। उसमें सवार बलरामपुर के 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से पांच की



हालत नाजुक बताई जा रही है। उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया है। हादसा इकौना क्षेत्र के बौद्ध परिपथ पर दुबे दोनक्का के पास हुआ। बलरामपुर जिले के लालिया थाना क्षेत्र के कमदी गांव निवासी कुमकुम वर्मा (35), रोहित (14), शशि (13), प्रिंस (6), अशफाक (7), शहजादी (30), अनीता (35), रेखा (40), कौशल(9), प्रिंशु वर्मा (7) व नेहा चौधरी (8) गांव निवासी ई-रिक्शा चालक मुस्लिम (55) के साथ आधार बनवाने के लिए इकौना ब्लॉक सभागार आए थे। आधार कार्ड बनवाने के बाद दोपहर में सभी लोग ई-रिक्शे से वापस घर लौट रहे थे। इस दौरान नेशनल हाईवे 730 (बौद्ध

परिपथ) पर दुबे दोनक्का के पास बहराइच से बलरामपुर जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। इससे ई-रिक्शा कई पलटियां खाते हुए सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। वहीं, ट्रक भी अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा सवार सभी लोग व ट्रक चालक बस्ती के गुड्डिया जोत कलवारी निवासी जगराम (38) गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में घायल सभी लोगों को सीएचसी, इकौना में भर्ती कराया गया। जहां कुमकुम, शहजादी, अनीता, रोहित व ट्रक चालक जगराम की हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें जिला अस्पताल, भिनगा के लिए रेफर कर दिया।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक है वीबी रामजी योजना : पंकज चौधरी

मनरेगा के बहाने कांग्रेस पर जमकर बोला हमला



कुछ फरियादियों से भी की बातचीत

पंकज चौधरी दो दिनी दौरे पर बुधवार की देर शाम बनारस पहुंचे। पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। गुरुवार की सुबह वे प्रधानमंत्री के संसदीय जनसंपर्क कार्यालय भी पहुंचे। वहां कुछ फरियादियों से बातचीत की भी। प्रदेश अध्यक्ष रोहनिया स्थित पार्टी के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे हैं। यहां वे वाराणसी लोकसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों व पार्टी पदाधिकारी के साथ बैठक कर रहे हैं। तत्पश्चात काशी क्षेत्र अंतर्गत आने वाले 12 जिलों के जनप्रतिनिधियों व पार्टी पदाधिकारियों के परिचय कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

गड़बड़ियां मिलने पर कई राज्यों के मनरेगा का बजट रोका दिया था। आरोप लगाया कि मनरेगा में कई तरीके भ्रष्टाचार किया गया। इसलिए हमारी सरकार ने नए प्रावधान क्रे वीबी-जी राम जी के नाम से लागू किया गया। कहा कि अब जवाबदेही भी तय होगी और सीधा मूल्यांकन भी होगा। इससे पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। योजना में हम गांवों में चार तरह के कार्यों पर जोर देंगे, जो जल

संरक्षण, बुनियादी ढांचा, स्वरोजगार और ढांचागत विकास पर केंद्रित होगा। इसमें न केवल विकास की बात होगी बल्कि एआई आधारित मॉनिटरिंग भी तय है। कड़े कानून के भी प्रावधान हैं। साथ ही पीएम गति शक्ति से भी योजना को जोड़कर गांव को सशक्त और समृद्ध बनाने का प्रयास होगा। इसमें राज्यों को भी अधिकार दिया गया है कि 60 दिनों तक वह मजदूरों को अवकाश दें।

आरटीई प्रवेश के लिए दर्ज होगा आधार नंबर...

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत निजी स्कूलों में होने वाले प्रवेश को लेकर शासन ने नई व्यवस्था लागू की है। अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा की ओर से सभी शिालाधिकारियों को इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। आदेश के अनुसार, आरटीई के अंतर्गत आवेदन करते समय बच्चों का आधार नंबर दर्ज करना अनिवार्य होगा। शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12 (1) (ग) के तहत गैर-सहायतित मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में कक्षा एक या पूर्व प्राथमिक कक्षा में

अलाभित समूह और दुर्बल वर्ग के बच्चों को कम से कम 25 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। जिन स्कूलों में पूर्व प्राथमिक शिक्षा संचालित है,

वहां यह व्यवस्था प्रारंभिक कक्षा से ही लागू होगी और चयनित बच्चों को कक्षा आठ तक निःशुल्क शिक्षा दी जाएगी। आधार बनवाने और दस्तावेजों के ऑनलाइन सत्यापन में आ रही समस्याओं को देखते हुए पूर्व में जारी शासनादेश में आंशिक संशोधन किया गया है। अब पूरी प्रवेश प्रक्रिया जिलों में जिलाधिकारी और जिला शिक्षा परियोजना समिति की निगरानी में संपन्न कराई जाएगी। शासन का कहना है कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और वास्तविक पात्र बच्चों को योजना का लाभ सुनिश्चित किया जा सकेगा।



सवा दो करोड़ रुपये के अवैध सोने के साथ तीन गिरफ्तार

गोरखपुर। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने बुधवार को गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर सवा दो करोड़ रुपये के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपी कोलकाता से अवैध सोना लेकर गोरखपुर आए थे। सूत्रों का कहना है कि बैंकों से कोलकाता के रास्ते आया यह अवैध सोना गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज और देवरिया में खपाने की तैयारी थी। टीम ने वाराणसी में विशेष मुख्य निःशुल्क मजिस्ट्रेट कृष्ण कुमार की अदालत में गिरफ्तार तीन आरोपियों को पेश किया। कोर्ट ने गोरखपुर निवासी आशीष कुमार, गंगा सागर गुप्ता और जयप्रकाश को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का आदेश दिया।



डीआरआई गोरखपुर के अधिकारी राहुल कुमार सिंह ने विशेष अभियोजक अधिकारी के माध्यम से अदालत में आवेदन देकर तीनों आरोपियों के न्यायिक रिमांड की मांग की। दरअसल, बैंकों से भारत में अवैध सोने का रैकेट कोलकाता से संचालित होता है। गोरखपुर के हिंदी बाजार समेत अन्य बाजारों में इसे खपाया जाता है। डीआरआई

को सूचना मिली कि बैंकों से खपाए जाने वाला सोना कोलकाता होकर गोरखपुर में आने वाला है। सूचना पर डीआरआई की टीम गोरखपुर रेलवे स्टेशन पहुंच गई। टीम ने कोलकाता से गोरखपुर आने वाली ट्रेन में अवैध सोने के साथ तीन तस्करों को पकड़ लिया। इनके पास से 1600 ग्राम सोना बरामद किया गया। डीआरआई फिलहाल पकड़े गए तस्करों से रैकेट के संबंध में पूछताछ कर रही है। एजेंसी की तरफ से पकड़े गए तीनों आरोपी गोरखपुर के रहने वाले हैं। अभी तक की तफ्तीश में सामने आया है कि इनका नेटवर्क शहर के कुछ धंधेबाजों से जुड़ा है। ऐसे में हिंदी बाजार के कुछ धंधेबाज भी एजेंसी के रडार पर हैं।

एक-एक अभ्यर्थी से 35-35 लाख में की थी डील

लखनऊ। असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में संधेमारी करने वालों गिरोह ने एक-एक अभ्यर्थी से 35-35 लाख रुपये में डील की थी। आरोपियों ने एडवांस के तौर पर 10 से 12 लाख रुपये वसूल लिए थे, जबकि शेष रकम परीक्षा के कुछ दिनों बाद लेने की योजना थी। इससे पहले ही एसटीएफ ने गिरोह का पर्दाफाश कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामले में कई अन्य बड़े जिम्मेदारों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। शुरुआत में एसटीएफ ने विभूतिखंड थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। गिरफ्तार आरोपियों में सहायक प्रोफेसर बैजनाथ पाल, उसका भाई विनय कुमार और आयोग की अध्यक्ष का गोपनीय सहायक

महबूब अली शामिल हैं। पुलिस ने इनके खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल कर दी थी। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया कि

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा

बाद में मामले की दोबारा विवेचना के आदेश दिए गए, जिसके बाद जांच एसटीएफ को ट्रांसफर कर दी गई। एसटीएफ की जांच में भर्ती परीक्षा में बड़े पैमाने पर हुई गड़बड़ी की कई परते खुलीं। तफ्तीश में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने कई अन्य अभ्यर्थियों से करोड़ों रुपये की वसूली की थी। जांच के दौरान आरोपियों के मोबाइल फोन से कई

अभ्यर्थियों का डाटा बरामद हुआ, जिसमें दर्जनों मोबाइल नंबर शामिल थे। एसटीएफ ने आयोग से प्राप्त अभ्यर्थियों के डाटा से इसका मिलान कराया, जो पूरी तरह मेल खा गया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से परीक्षा में संधेमारी की थी। इसके बाद जांच आगे बढ़ी और मामले से जुड़ी कई अहम कड़ियां सामने आती गईं। मामले की तफ्तीश अभी जारी है। सूत्रों के अनुसार, कई अधिकारी और कर्मचारी भी जांच के दायरे में हैं। उनकी भूमिका की गहन जांच की जा रही है। जिनके खिलाफ पुख्ता साक्ष्य मिलेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां भी संभव हैं।

बृजभूषण शरण सिंह का दिखा दबदबा

भाजपा पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के जन्मदिन पर गुरुवार को सैकड़ों गाड़ियों का जश्न जुलूस निकाला गया। काफिले में खुली जीप पर सवार बृजभूषण शरण पर रास्ते में फूल बरसाए गए। फूल वर्षा के लिए बुलडोजर भी लगाए गए थे। इस दौरान बृजभूषण का दबदबा भी दिखा। इस दौरान संतों का आशीर्वाद, कथा महोत्सव का समापन और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे। सरयू तट स्थित नंदिनी निकेतन में 1 जनवरी से आयोजित राष्ट्र कथा महोत्सव का समापन पूर्व सांसद के जन्मोत्सव के अवसर पर पूरे विधि-विधान के साथ हुआ। कथा विराम के बाद संदगुरु ऋतेश्वर महाराज ने विशेष उद्घोषण देते हुए गोमाता संरक्षण और गोपालन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि "दसवीं शताब्दी से पहले भारत विश्वगुरु था और

गोंडा



इसका मूल कारण गोमाता का सम्मान था। जब तक प्रत्येक भारतीय घर में गोमाता पूजनीय नहीं होगी, तब तक भारत पुनः विश्वगुरु नहीं बन सकता।" विश्वनोरथपुर स्थित आवास पर सुबह तीन बजे से ही समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। फूल-मालाओं और उपहारों के साथ लोगों ने पूर्व सांसद को शुभकामनाएं दीं। शुभचिंतकों से मुलाकात के बाद बृजभूषण शरण सिंह फूलों से सजी खुली जीप में सवार होकर सैकड़ों वाहनों के काफिले के साथ नंदिनी निकेतन पहुंचे।

यूपी में चार आईएस अफसरों का तबादला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राज्य सरकार ने बृहस्पतिवार को चार आईएस अफसरों का तबादला कर दिया। महानिदेशक पर्यटन राजेश कुमार द्वितीय को राज्य मानवाधिकार आयोग के सचिव के पद पर भेजा गया है। वहीं राज्य सूचना आयोग में तैनात डॉ. वेदपति मिश्रा को महानिदेशक पर्यटन बनाया गया है। वहीं, प्रतीक्षारत चले गए प्रशांत कुमार को राज्य सूचना आयोग का सचिव बनाया गया है। इसके अलावा प्रांजल यादव से सचिव हथकरथा एवं वस्त्रोद्योग, खादी एवं ग्रामीणोद्योग तथा अवरस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के प्रभार से अवमुक्त कर दिया गया है।

चोरों ने सगे भाइयों के घरों को बनाया निशाना, लाखों के जेवरत चोरी

अमेठी। जिल में बुधवार रात चोरों ने सगे भाइयों के मकानों को निशाना बनाया। घरों से नकदी और जेवरत चोरी कर लिए। बृहस्पतिवार सुबह घटना की जानकारी हुई। थानाध्यक्ष ने जांच के बाद एफआईआर दर्ज करने की बात कही है। घटना इन्हौना थाना क्षेत्र के दुबेपुर मजरे अंगुरी गांव की है। पीड़ित उदयराय ने बताया कि उनके भाई रमेश शहर में नौकरी करते हैं। उनका मकान बंद रहता है। बुधवार की रात उदयराय परिवार के साथ अपने घर में सो रहे थे। इसी दौरान चोर उनके और भाई रमेश के मकान



में घुसे। 10 हजार रुपये व करीब दो लाख रुपये के जेवरत पर हाथ साफ कर दिया। बृहस्पतिवार सुबह घर के अंदर सामान बिखरा पड़ा मिला। अलमारी और बक्सों के ताले टूटे हुए थे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई।

माघ मेले में श्रद्धालुओं के लिए सहूलियत

प्रयागराज माघ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए पर्यटन विभाग ने चार टूरिस्ट सेंटर बनाए हैं। यह दर्शन के लिए शामिल होंगे। मेले के प्रति श्रद्धालुओं को संस्कृति, इतिहास, आस्था और सुरक्षा से परिचित कराने के साथ-साथ उन्हें सहज और सुरक्षित यात्रा के बारे में जानकारी देंगे। मसलन, माघ मेला क्षेत्र से बाहर जाने के लिए क्या सुविधाएं हैं। बस-ट्रेन के अलावा हवाई जहाज के शट्पूल के बारे में जानकारी लेने के लिए श्रद्धालुओं को भटकने की जरूरत नहीं होगी। दरअसल, माघ मेला का आयोजन 3

पर्यटन विभाग ने बनाया 4 टूरिस्ट सेंटर

जनवरी से शुरू होकर लगभग 45 दिनों तक चलेगा, जिसमें लगभग 12 से 15 करोड़ श्रद्धालु पवित्र संगम में स्नान और दर्शन के लिए शामिल होंगे। मेले के प्रति नजदीकी ट्रेनों, बसों और भीड़ की संख्या को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। इसके लिए चार अस्थाई टूरिस्ट सेंटर बनाए गए हैं। इस बार माघ मेला प्रशासन आस्था और अनुभव को आधुनिक सुविधाओं से जोड़कर विश्व स्तर पर एक सुदृढ़ धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन के रूप में पेश किया है। इससे श्रद्धालुओं में आस्था के प्रति जुड़ाव होगा।

टूरिस्ट सेंटर की खास बातें

- श्रद्धालुओं को पहले से मौसम की भविष्यवाणी की जानकारी मिलेगी
- सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व के बारे में जानकारी दी जाएगी
- इतिहास, धार्मिक परंपराओं से जुड़े स्थानों के बारे में मार्गदर्शन देंगे
- श्रद्धालुओं को आपातकाल स्थिति में निपटने के बुनियादी जानकारी
- मेडिकल सुविधा और मिसिंग स्टेशन की प्रक्रिया के बारे में बताएंगे

दोपहर में तोड़ा स्पीड ब्रेकर, रात में हो गया हादसा, तीन लोगों की मौत

गोरखपुर। एम्स थाना क्षेत्र के रामपुर चौराहे के पास हुए दर्दनाक हादसे के बाद गांव और आसपास में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। चौराहे के पास दोपहर में ही स्पीड ब्रेकर को तोड़ा गया था और रात में हादसा हो गया। लोगों का कहना है कि यदि ब्रेकर को नहीं तोड़ा गया होता तो शायद तीन लोगों की जान बच जाती। जानकारी के अनुसार, तीन साल पहले इसी जगह पर एक और हादसा हुआ था। इसमें भी तीन लोगों की मौत हो गई थी। मंगलवार रात की घटना ने उस हादसे ही यादें ताजा कर दीं। इसी हादसे के बाद सड़क पर अलग-अलग जगहों पर करीब 10 स्पीड ब्रेकर बनाए गए थे। इसके बाद काफी हद तक राहत मिल गई थी। ब्रेकर की वजह से बहुत लोगों को दिक्कत भी होती थी। ग्रामीणों का कहना है कि मंगलवार की दोपहर में स्थानीय जनप्रतिनिधि ने पांच ब्रेकर तुड़वा दिए। दरअसल, गांव के दिवांत मोहित के घर के सामने मंगलवार की रात भगवान दास (40), अमर (25), जितेंद्र (40), हिमांशु (10), प्रिंस (15) और दीपू ठंड से बचने के लिए अलाव ताप रहे थे।

दहशत का पर्याय बना तेंदुआ घर में घुसा, दो लोग घायल

प्रयागराज। झूंसी और हनुमानगंज के बीच पड़ने वाले गांव छिबैया गांव में बृहस्पतिवार को तेंदुआ एक घर में घुस गया। इसके पहले उसने अलाव ताय पर रहे चाचा-भतीजे पर हमला बोल दिया। जिसमें दोनों घायल हो गए। ग्रामीणों के शोर मचाने पर तेंदुआ शेखर सिंह के मकान में घुस गया। परिवजनों ने मकान का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। मकान में फंसे परिवार के सदस्यों को खिड़की तोड़कर छिपे तरीसे बाहर निकाला गया। स्थानीय वन विभाग की टीम और पुलिस मौके पर पहुंच गई हैं। कानपुर से ट्रैकुलाइजर एक्सपर्ट को बुलाया गया है। गंगापर इलाके के

हनुमानगंज के पास छिबैया गांव में बृहस्पतिवार को तेंदुआ एक घर में घुस गया। यह तेंदुआ कई महीने से गंगापर इलाके के गांवों में दहशत का पर्याय बना हुआ है। हरिचंद्र शोध संस्थान (एचआरआई) और आसपास के इलाकों (छतनाग, हनुमानगंज) में यह कई बार देखा गया था। पालतू जानवरों का शिकार किया और ग्रामीणों में दहशत फैलाई है (वन विभाग की टीम ने इसे पकड़ने के लिए जाल, कैमरे लगाए और सर्च ऑपरेशन चलाए)। गांवों में पिंजरे भी लगाए गए लेकिन यह हाथ नहीं लगा। अब ग्रामीणों ने इसे एक घर में कैद कर लिया है।

लखनऊ के हुसैनाबाद हेरिटेज जोन में चलेगा बुलडोजर

लखनऊ। नगर निगम और पुलिस के बाद अब हुसैनाबाद हेरिटेज जोन में लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) भी बड़ी कार्रवाई करने जा रहा है। खासतौर पर घंटाघर के आसपास बड़े प्रतिष्ठानों पर एक्शन लिया जाएगा और ध्वस्तीकरण की भी कार्रवाई की जाएगी। जिसको लेकर नोटिस जल्द दिए जाएंगे।

लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) ने ऐतिहासिक हुसैनाबाद हेरिटेज जोन में बढ़ते अवैध निर्माणों और अतिक्रमणों पर सख्त कार्रवाई का ऐलान किया है। इस जोन में बड़ा इमामबाड़ा, छोटा इमामबाड़ा, रूमी दरवाजा, घंटाघर (क्लॉक टावर), चित्रशाली और अन्य ऐतिहासिक

स्मारक शामिल हैं। यह लखनऊ की नवाबी विरासत का प्रमुख केंद्र है। स्मार्ट सिटी योजना के तहत यहां सौंदर्यीकरण, फसाद लाइटिंग, खुशबू पार्क और अन्य विकास कार्य चल रहे हैं, लेकिन अवैध निर्माण और अतिक्रमण इन प्रयासों को बाधित कर रहे हैं। LDA अधिकारियों के अनुसार, जोन में अनधिकृत दुकानें, टिन शेड, अतिक्रमणकारी वैंडिंग, अवैध पार्किंग और फुटपाथ पर कब्जे जैसी समस्याएं आम हैं। यह न केवल पैदल यात्रियों के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं, बल्कि क्षेत्र की सौंदर्यता और ऐतिहासिक महत्व को भी क्षति पहुंचा रहे हैं। हुसैनाबाद हेरिटेज जोन



में अवैध वैंडस से अस्वच्छ परिस्थितियां (Unhygienic conditions), पैदल मार्गों में रुकावट और सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा हो रहा है। स्थानीय निवासियों और दुकानदारों ने भी शिकायत की है कि अतिक्रमण पर्यटकों के अनुभव को खराब कर रहे हैं। LDA के उप सचिव माधवेश कुमार ने बताया, हेरिटेज जोन में विकास कार्य जैसे खुशबू पार्क, फसाद अपग्रेडेशन और

सिविल निर्माण तेजी से चल रहे हैं। जल्द ही अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया, अवैध निर्माणों पर नोटिस जारी कर ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। हाईकोर्ट के आदेशों और हेरिटेज नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्ती बरती जाएगी। इससे पहले LDA ने शहर के अन्य हिस्सों में अवैध प्लॉटिंग और निर्माणों पर बुलडोजर चलाए हैं। अब हेरिटेज जोन को प्राथमिकता दी जा रही है। यह कार्रवाई यूपी सरकार की हेरिटेज संरक्षण नीति के तहत है, जिसका उद्देश्य लखनऊ को वैश्विक स्तर पर पर्यटन स्थलों को बेहतर किया जाएगा।

आगरा भी इंदौर जैसी आपदा का गवाह, नहीं भरे जख्म

आगरा। इंदौर में दूषित पानी से अब तक 18 मौतों की बात कही जा रही है। आगरा में ऐसी ही त्रासदी आज से 33 साल पहले 20-21 मई 1993 को घट चुकी है। तब तालनगरी में 19 लोगों की जान दूषित पानी के कारण चली गई थी। आज भी लोगों के जेहन में उस घटना का खौफ जिंदा है। किसी ने बेटा खोया था तो किसी ने भाई, मां-बाप या बहन। हेरत की बात यह है कि पीने के पानी सप्लाई का पेटर्न आज भी कुछ खास नहीं बदला है। शहर के एक बड़े हिस्से में नाले-नालियों और सीवर से सटकर पाइपलाइन गुजर रही है। लीकेज के कारण घरों में जानवरा पानी सप्लाई हो रहा है। नतीजा यह है कि लोग इससे अक्सर बीमार पड़ते हैं।

अधिकतर लोग अब इस पानी को पीने के लिए इस्तेमाल नहीं करते। एक अनुमान के मुताबिक, करीब 4 लाख की आबादी पानी की समस्या से प्रभावित है। टीम जब आगरा की जल त्रासदी में अपनों को खोने वाले परिवारों से मिली तो उनकी जुबान पर एक ही बात निकली कि जिस पानी ने हमारे अपने छीन लिया, उसका एक घूंट भी नहीं पीते हैं। तब से अभी तक पानी की आपूर्ति ठीक नहीं हुई है। शहर में लोग जब ढीली कर आरओ पानी पर निर्भर हैं। इंदौर में 25 दिसंबर से ही दूषित पानी से मौतें होनी को बाते सामने आ रही हैं। औद्योगिक तौर पर 8 लोगों को मुआवजा दिया गया है, जबकि 18 मौतें होने की आशंका है।

ट्रेडर्स कमीशन से कितना होगा फायदा ... पंजाब सरकार ने व्यापारी वर्ग के लिए शुरु की नई पहल

पंजाब? आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान पंजाब के एसएसए नगर में आयोजित राज्य ट्रेडर्स कमीशन की पहली बैठक में शामिल हुए. उन्होंने इसे सालों से व्यापारियों को परेशानियों को समाप्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया है. आप प्रमुख ने कहा कि अब दुकानदारों को एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर भटककर परेशान नहीं होना पड़ेगा. आप सरकार ने प्रशासन को सीधे बाजारों तक पहुंचाने का फैसला किया है. अरविंद केजरीवाल ने इस पहल को पंजाब में व्यापारिक सुधारों के एक नए युग की शुरुआत बताया. उन्होंने कहा कि यह कमीशन टेक्स प्रणाली को आसान बनाएगा. टेक्स के तनाव को खत्म करेगा. अड़चनों को दूर करेगा. मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इस

बात पर जोर दिया कि दुकानदार सच्चे देशभक्त हैं, जो अर्थव्यवस्था को गति देते हैं.

पंजाब के कारोबारियों के



हित में अरविंद केजरीवाल ने यह भी कहा- आज छोटे दुकानदारों, व्यापारियों और बाजारों के लिए एक नई शुरुआत हो रही है, जिन पर अब तक किसी ने ध्यान नहीं दिया. इस हॉल में बैठे आप सभी

हमारी पार्टी के कार्यकर्ता नहीं, बल्कि स्वतंत्र और निष्पक्ष व्यक्ति हैं. आप में से कुछ मार्केट एसोसिएशनों के प्रधान हैं, कुछ

कि चार साल बाद सत्ता विरोधी लहर तेज हो जाती है और लोग किसी न किसी कारण से नाराज हो जाते हैं. हमसे पहले कांग्रेस की

लोगों के सामने माइक रखने की हिम्मत की हो और कहा हो कि लो जो मर्जी बोलो.

पहले बाजार बहुत नकारात्मक था अरविंद केजरीवाल ने कहा- अब तक हमारे देश में व्यापारियों और कारोबारियों को बहुत नकारात्मक नजरिए से देखा गया. सरकारें टेक्स के जरिए पैसा वसूलती रहीं. मौजूदा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था को हम एक झटके में नहीं बदल सकते. नए कमीशन वांछे की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा- हम ऐसा सिस्टम बना रहे हैं जिसमें आप सरकार का हिस्सा बनेंगे. राज्य स्तर, जिला स्तर और सबसे महत्वपूर्ण विधानसभा क्षेत्र (हलका) स्तर पर कमीशन होंगे. हलका स्तर के कमीशन में स्थानीय पुलिस, प्रशासन और व्यापारी शामिल होंगे.

राज ठाकरे का बदला अंदाज, कहा- गंगा का पानी नहीं पिऊंगा, मुसलमानों पर बोले- महाराष्ट्र के मुस्लिम अलग

मुंबई। महाराष्ट्र में जारी निकाय चुनाव को लेकर चुनाव प्रचार जोरों पर है. ठाकरे परिवार मिल कर निकाय चुनाव लड़ रहा है. शिवसेना (UBT) के नेता उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के नेता राज ठाकरे साथ चुनाव प्रचार भी कर रहे हैं.

अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहने वाले राज ठाकरे ने सामना के साथ इंटरव्यू में कहा कि मैं मंदिर में माथा झुकाऊंगा लेकिन मैं गंगा का पानी नहीं पिऊंगा. साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हर राज्य का मुसलमान अलग होता है. महाराष्ट्र में पीढ़ियों से रहने वाला मुसलमान 'मराठी मुसलमान' है.

लंबे समय बाद साथ आए ठाकरे बंधुओं (उद्धव और राज) के साथ शिवसेना के मुखपत्र सामना ने एक दिन पहले इंटरव्यू किया था. उद्धव ठाकरे के साथ साझा इंटरव्यू ने राज ठाकरे ने बेबाकी के साथ अपनी बात कही. इंटरव्यू के दौरान हिंदू मराठी मेयर के नरेंद्राव को राज ठाकरे ने नया मोड़ दे दिया और उन्होंने 'मराठी

मुसलमान' का कार्ड चल दिया. यह इंटरव्यू संजय राउत और महेश मांजरेकर ने लिया.

हर राज्य का हिंदू अलग: राज ठाकरे एक सवाल के जवाब में राज ठाकरे ने कहा, 'हर राज्य का हिंदू अलग होता है, क्योंकि हर



राज्य की संस्कृति अलग होती है. उसी तरह हर राज्य का मुसलमान भी अलग होता है. महाराष्ट्र में पीढ़ियों से या कई सालों से रहने वाला मुसलमान 'मराठी मुसलमान' है, वो मराठी भाषी है.'

उन्होंने आगे कहा, 'इसी मसले पर साल 2009 या 2010 में हज कमिटी के दफ्तर पर आंदोलन हुआ था. तब हज कमिटी पर उत्तर प्रदेश -बिहार और वहां के लोगों का वर्चस्व हुआ करता था और

महाराष्ट्र के मराठी मुसलमानों को हज पर जाने नहीं दिया जा रहा था. उस समय हमारी पार्टी ने ही इसके लिए आंदोलन किया था. महाराष्ट्र में असंख्य मुसलमान हैं. हमारे सलीम मामा हैं और वे मराठी मुसलमान हैं.'

जहीर खान को लेकर क्या बोले राज ऐसे में आप पर हिंदुत्व विरोधी होने की आलोचना हो सकती है?, के जवाब में राज ठाकरे ने कहा, 'इसका हिंदुत्व से आखिर क्या संबंध है? मान लीजिए मैं कल मंदिर जाकर माथा टेकता हूं और आप मुझसे कहते हैं कि गंगा का पानी पियो तो मैं नहीं पिऊंगा. अब गंगा जहां से निकलती है. शायद वहां का पानी शायद पी लूं.' इस पर उद्धव ठाकरे ने कहा, 'कल मैं अपने एक (मुस्लिम) उम्मीदवार के ऑफिस में गया था.' पूर्व भारतीय क्रिकेटर जहीर खान का जिक्र करते हुए राज ठाकरे ने कहा, क्रिकेटर जहीर खान हैं वे भी मराठी हैं. यहीं संगमनेर के हैं. जब भी हम आमने-सामने मिलते हैं तो आपस में मराठी में ही गप्पे मारते हैं.

बीजेपी नेता और मंत्री गणेश नाइक ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप, शिंदे ने दिया जवाब

मुंबई : नगर निगम चुनाव को लेकर इन दिनों राजनीतिक सरगमी तेज हो गई है. वहीं एक तरफ महायुति गठबंधन की पार्टियां कुछ नगर निगमों में एक साथ चुनाव लड़ रही हैं, जबकि अन्य में स्वतंत्र रूप से मैदान में हैं. इसी क्रम में राज्य कैबिनेट में साथ रहने वाले नेता अब चुनाव प्रचार के दौरान एक-दूसरे की कड़ी आलोचना करते दिख रहे हैं. जहां उपमुख्यमंत्री अजित पवार और भाजपा नेताओं के बीच विवाद चल रहा है, वहीं वन मंत्री गणेश नाइक ने नवी मुंबई नगर निगम चुनाव प्रचार के दौरान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर सीधे तौर पर गंभीर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है.

नाइक ने सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा, ' शहर एवं औद्योगिक विकास निगम (CIDCO) प्रशासन में बिल्डरों के एजेंट बैठे हैं, और प्लॉट सीधे बिल्डरों को दिए जा रहे हैं.' एक

जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कोविड-19 के दौरान हुई गड़बड़ियों का भी जिक्र किया. उन्होंने आरोप लगाया कि गंभीर कोविड संकट के दौरान नवी मुंबई



में आने वाली दवाइयों और इंजेक्शन का गलत इस्तेमाल किया गया. उन्होंने आरोप लगाया, 'रबाले एमआईडीसी अस्पताल के लिए बनाई जा रही ऑक्सीजन गैस भी चोरी हो गई. दवाइयां, गैस और पानी भी चोरी हो गया.'

शिवसेना का जोरदार बैनर अभियान - इस बीच, शिवसेना नवी मुंबई में जोरदार बैनर अभियान चला रही है. शहर के अलग-अलग

हिस्सों में 'नई मुंबई, नई सरकार' मैसेज वाले बैनर लगे हैं, और 'तानाशाही खत्म करो', 'करण-फ्री गवर्नेंस', 'प्यारी बहनों का उद्धार करो', और 'घर का सपना पूरा करो' जैसे नारों के जरिए शिवसेना गणेश नाइक के दबदबे को चुनौती देने की कोशिश कर रही है. वहीं, गणेश नाइक ने यूडीसीपीआर स्कीम की भी कड़ी आलोचना की.

'सवाल यह है कि मौजूदा एकीकृत विकास नियंत्रण (UDCPR) स्कीम का ड्राफ्ट असल में किस समझदार आदमी ने बनाया था? पहले, मुंबई में सिर्फ एक एफएसआई (फ्लोर स्पेस इंडेक्स) की इजाजत थी. अगर कोई एक साधारण बालकनी भी बनाता, तो एमजीओ और नगरिक विरोध करते, इसलिए मुंबई का अपना

खास महत्व था. उन्होंने आरोप लगाया, 'लेकिन, यूडीसीपीआर की वजह से एफएसआई अब दान की तरह बांटा जा रहा है.' 'अगर कल इन शहरों में ऊंची इमारतें खड़ी हो गईं, तो पूरा इलाका कंक्र्रीट से भर जाएगा.' नाइक ने भी अपना डर ??जाहिर किया, 'बाइक चलाना भी नामुमकिन हो जाएगा. एक या दो नहीं, बल्कि कई एलिवेटेड रोड बनानी होंगी.' एकनाथ शिंदे पर हमला - उन्होंने आगे कहा, 'पिछले पांच सालों से नगर निगमों में प्रशासक का राज रहा है. इसलिए, इस समय के लिए कोई हमें दोष नहीं दे सकता. उन्होंने कहा, 'इन पांच सालों में जो भी गड़बड़ हुई है, वह सब प्रशासक के समय में हुआ है. यह कहने की जरूरत नहीं है कि उस समय कौन लीड कर रहा था.' गणेश नाइक ने सीधे उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा, जो शहरी विकास मंत्री भी हैं.

सूरज की पहली किरण के साथ गूंज रहा हर हर महादेव- जय सोमनाथ का उद्घोष ... दूर-दूर से आ रहे शिवभक्त

गुजरात। 8 जनवरी से 11 के दौरान आयोजित हो रहे भारत की आध्यात्मिक आस्था के प्रतीक सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत राज्य सरकार द्वारा शिव भक्त श्रद्धालुओं के लिए विशेष आयोजन किया गया है. इसके तहत राजकोट, सूरत, अहमदाबाद और वडोदरा जैसे शहरों से सोमनाथ आने को इच्छुक श्रद्धालुओं के लिए विशेष ट्रेनों की सुविधा उपलब्ध कराई गई है. पवित्र सोमनाथ धाम में आने वाले श्रद्धालुओं की सुलभ, सुरक्षित और अनुकूल यात्रा के लिए सरकार की ओर से योजनाबद्ध व्यवस्था की गई है.

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर वेरावल रेलवे स्टेशन पर विशेष स्वागत कार्यक्रम आयोजित हुआ. विभिन्न शहरों से ट्रेन के माध्यम से पहुंचने शिव भक्त श्रद्धालुओं का कुमकुम तिलक

लगाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर ढोल-नागाडों, शहनाई और पारंपरिक गरबे के जरिए हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया



गया.इस स्वागत कार्यक्रम में भक्तिभाव, आत्मीयता और सोमनाथ के प्रति अडिग आस्था का भाव स्पष्ट रूप से देखने को मिला.

हर हर महादेव-जय सोमनाथ का नदर प्रभास भूमि पर 9 जनवरी को सुयौंदर का पहली किरण के दौरान वेरावल स्टेशन परिसर

यात्रियों के हर हर महादेव-जय सोमनाथ के नाद से गूंज उठा. गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम की ओर से स्टेशन से मंदिर

मार्गदर्शन और प्रबंधन सहित विभिन्न सुविधाओं का सुचारु रूप से संचालन किया जा रहा है. विशेष ट्रेन सुविधा के चलते शिव भक्तों को समय पर और आरामदायक यात्रा की सुविधा मिल रही है. श्रद्धालुओं को वेरावल रेलवे स्टेशन से सोमनाथ मंदिर तक पहुंचने में आसानी और सहूलियत हो, इसके लिए समन्वित आयोजन किया गया है.

यात्रियों ने दिया धन्यवाद इस बारे में तापी जिले के अक्षय पंचाल ने कहा कि उन्हें उपलब्ध कराई गई सुविधाओं के कारण अच्छी तरह से दर्शन हो पाएगा.इस अवसर में सहभागी होने का उन्हें बहुत आनंद है. सूरत निवासी हेलीबेन राउट ने कहा कि यहां ट्रेन में यात्रा के दौरान बेहतर सुविधाएं मिलीं.स्टेशन से मंदिर तक जाने के लिए बस की व्यवस्था है, जिससे आसानी से दर्शन हो सकेगा.

पीएनबी ने खेलों के विकास के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए दिल्ली में नवीकृत हॉकी अकादमी का उद्घाटन किया

नई दिल्ली - सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने आज दिल्ली में अपने हॉकी

पीएनबी के एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र ने मुखर्जी नगर स्थित इस नई अकादमी का उद्घाटन बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों, वरिष्ठ



अकादमी के नवीकृत स्वरूप का उद्घाटन किया। यह कदम देश में हॉकी को बढ़ावा देने और खेल प्रतिभाओं को निखारने के प्रति बैंक की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को फिर से पुष्ट करता है।

हॉकी टीम के कोच और खिलाड़ियों की उपस्थिति में किया। पीएनबी की हॉकी अकादमी प्रीमियम सुविधाओं से लैस एक आधुनिक मंच है जो (14 से 17 वर्ष की आयु के) 25 खिलाड़ियों को

चिन्हित कर उन्हें प्रशिक्षित कर हॉकी के क्षेत्र में सफल करियर बनाने में सहयोग करने के लिए समर्पित है। बैंक इन युवा एथलीटों को आवास, शिक्षा, पेशेवर कोचिंग और अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान कर समग्र सहयोग उपलब्ध कराता है ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके और वे हॉकी में एक सफल करियर बना सकें। बैंक को इस प्रतिबद्धता की सफलता को रेखांकित करते हुए, पीएनबी के दो सम्मानित कार्मिकों और भारतीय हॉकी टीम के प्रमुख फॉरवर्ड खिलाड़ी श्री अभिषेक और श्री सुखजीत सिंह जो ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता हैं, ने हाल ही में एशिया कप 2025 में भारत का मान बढ़ाया है। वर्तमान में, लवप्रीत सिंह, संजय और इंदरपाल सिंह जैसे खिलाड़ी, जो पीएनबी हॉकी अकादमी से निकले हैं, वे पीएनबी की हॉकी टीम के सम्मानित सदस्य हैं।

राजरस्थान का तस्कर, पंजाब की दारु .. बिहार आ रही 1 करोड़ की विदेशी शराब जब्त

भोजपुर : बिहार के आरा में उत्पाद विभाग की टीम ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है. बिहार मद्यनिषेध विभाग द्वारा मद्यनिषेध इकाई पटना के सहयोग से संयुक्त छापेमारी कर ट्रक से लगभग 1 करोड़ रुपये की अवैध विदेशी शराब बरामद की है. इस कार्रवाई में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है.

1 करोड़ की अवैध विदेशी शराब बरामद : भोजपुर जिला पदाधिकारी तनय सुलतानिया के निर्देश पर अवैध शराब के विरुद्ध लगातार छापेमारी एवं वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में शुक्रवार को भोजपुर के सहायक आयुक्त मद्यनिषेध रजनीश कुमार को गुप्त सूचना मिली कि पंजाब से एक ट्रक में भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब

मुजफ्फरपुर की ओर ले जाई जा रही है.

जस्थान का तस्कर, पंजाब की शराब : सूचना के आधार पर



निरीक्षक अनिल कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई. वाहन जांच के दौरान बिहिया चौराहा के पास 12 चक्का ट्रक को रोका गया. तलाशी के दौरान ट्रक में रखे सड़े-गले आलू के बोरों के नीचे

छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद की गई.

धरी रह गई तस्कर की

लाया जा रहा था. लेकिन तस्कर की चालाकी फेल हो गई और एक करोड़ की खेप पकड़ ली गई.

अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी : मद्यनिषेध के सहायक आयुक्त रजनीश कुमार ने बताया कि 24,288 पीस तक्रीबन 8244.36 लीटर विदेशी शराब को जब्त किया गया है. बरामद शराब पर For Sale in Punjab' अंकित है.

'जब्त शराब का बाजार मूल्य लगभग 01 करोड़ रुपये आंका गया है. जब्त शराब की बोतलों पर 'फॉर सेल इन पंजाब' लिखा हुआ था. गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया जारी है. अवैध शराब के खिलाफ अभियान अग्रे भी लगातार जारी रहेगा.'- रजनीश कुमार, सहायक आयुक्त, मद्यनिषेध विभाग

सबरीमला से लौट रहे श्रद्धालुओं के साथ बड़ा हादसा : ट्रक से टकराई गाड़ी, बच्ची समेत 4 की मौत

तुमकुरु (कर्नाटक) : सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से क्रूजर वाहन की टक्कर होने के कारण एक बच्ची समेत चार लोगों की मौत हो गई. यह हादसा शुक्रवार तड़के तुमकुरु में बेलावी क्रॉस के पास नेशनल हाईवे-48 पर हुआ. दुर्घटना उस समय हुई जब ये सभी लोग भगवान अय्यप्पा के दर्शन कर सबरीमला से लौट रहे थे. इस संबंध में कोरा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है. एसपी अशोक ने बताया कि आज सुबह करीब 5:30 बजे कोरा पुलिस स्टेशन के कर्मचारियों के माध्यम से सूचना मिली कि एक क्रूजर वाहन और ट्रक के बीच टक्कर हो गई है. सूचना मिलते ही हाईवे पेट्रोल और स्थानीय कोरा पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची. शुरुआती जानकारी के अनुसार, चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि ड्राइवर समेत 7 लोग घायल हुए हैं. प्राथमिक जांच में सामने आया है कि हादसा क्रूजर चालक को नॉंद की झपकी आने की वजह से हुआ. एसपी ने आगे जानकारी दी कि क्रूजर वाहन के चालक और सड़क किनारे ट्रक खड़ा करने वाले ड्राइवर के खिलाफ प्राथमिकी (सड्डक) दर्ज कर ली गई है. सभी घायलों को इलाज के लिए जिला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मृतकों की पहचान 7 वर्षीय बच्ची साक्षी, मास्तप्पा (45), री वेंकटेश (30) और गविसिद्धप्पा (28) के रूप में हुई है. सभी मृतक कोप्पल जिले के रहने वाले थे. हादसे में कुकनूर के रहने वाले प्रवीण कुमार, राजप्पा, हुलिंगेप्पा, राकेश, तिरुपति और गदिगेरे टांडा के श्रीनिवास समेत 7 लोग घायल हुए हैं.

तुमकुरु जिला सर्जन डॉ. अस्मर बेग ने जानकारी दी कि एक भयानक सड़क हादसा हुआ है, जिसमें चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 7 अन्य घायल हैं. घायलों को सुबह करीब 6 बजे अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है. एक घायल की हालत गंभीर होने के कारण उसे बेंगलुरु रेफर किया गया है. बाकी सभी घायल खतरे से बाहर हैं.

'नीतीश कुमार को भारत रत्न .. ' JDU नेता केसी त्यागी ने PM मोदी को लिखी चिट्ठी

पटना: बिहार सीएम नीतीश कुमार को भारत रत्न पुरस्कार देने की मांग एक बार फिर तेज हो गयी है. जदयू के राष्ट्रीय सचिव केसी त्यागी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने लिखा कि 'पिछले साल जिस तरह से चौधरी चरण सिंह और कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिया गया. उसी तरह नीतीश कुमार भी इसके हकदार हैं.' केसी त्यागी, राष्ट्रीय सचिव, जदयू ने कहा कि 'बिहार और देश के प्रति नीतीश कुमार की सेवाओं को सम्मान देने का इससे अच्छा मौका नहीं हो सकता. नीतीश कुमार शुरू से राज्य में एनडीए की स्थापित करने, कर्पूरी ठाकुर के सपना को पूरा करने और गरीबों की सेवा में लगे रहे.'

10 वीं बार सीएम बने नीतीश कुमार: पिछले साल नवंबर में नीतीश कुमार ने 10वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली. नीतीश कुमार ने

सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री बने रहने का रिकॉर्ड बनाया. बिहार में महागठबंधन की सरकार रही या फिर एनडीए की, नीतीश कुमार



सीएम रहे हैं, हालांकि बार-बार पाला बदलने को लेकर आलोचना भी जमकर हुई है.

बिहार के विकास के लिए जरूरी: नीतीश कुमार के लंबे समय तक सीएम रहने और बिहार के विकास के लिए केसी त्यागी ने भारत रत्न देने की मांग कर रहे हैं. हालांकि अब तक ऐसा बहुत कम देखने को मिला है जब जीवित

हस्ती को भारत रत्न से नवाजा गया हो.

इन जीवित हस्ती को मिला भारत रत्न: केसी त्यागी कहते हैं कि कई हस्तियों की जीवित रहते हुए भारत रत्न दिया गया है. इसमें जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, लता मंगेशकर और प्रवण मुखर्जी जैसे लोग शामिल हैं. इन सभी को जीवित रहते हुए भारत रत्न दिया गया. केसी त्यागी ने कहा कि उन्होंने पीएम को पत्र लिखकर जोरदार सिफारिश की है.

जनवरी में होती है घोषणा: बता दें कि साल की शुरुआत में प्रधानमंत्री की ओर से भारत रत्न अवार्ड दिए जाने सिफारिश राष्ट्रपति को की जाती है. इसके बाद घोषणा की जाती है. पिछले साल बिहार के किसान नेता चौधरी चरण सिंह और पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की गयी थी.

बजाज ब्रोकिंग ने निवेशकों की सुविधा, जागरूकता और टेक्नोलॉजी में इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए NSDL के साथ साझेदारी की

मुंबई: भारत के तेजी से विकसित होते इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म में से एक, बजाज ब्रोकिंग ने निवेश के क्षेत्र की और अधिक सुलभ, सुरक्षित और जागरूक बनाने के लिए नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (NSDL) के साथ बेहद महत्वपूर्ण साझेदारी की है। दोनों संगठनों के बीच बेहतर तालमेल बनाने के उद्देश्य से यह साझेदारी की गई है, ताकि निवेशकों की पहुंच बढ़े, वित्तीय जागरूकता में सुधार हो, प्रोडक्ट इनोवेशन को बढ़ावा मिले तथा निवेशकों की शिक्षा और सुरक्षा को मजबूती मिल सके। इस साझेदारी में निवेश की सुविधाओं को हर किसी के लिए और अधिक सुलभ बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। निवेश शुरू करने की आसान प्रक्रियाओं से लेकर खाता जल्दी खुलने और इंटीग्रेटेड सिस्टम तक, हल्कर और

बजाज ब्रोकिंग साथ मिलकर निवेशकों के लिए कहीं भी और कभी भी निवेश की शुरुआत करना बेहद आसान बना देंगे।

निवेशकों को जागरूक बनाना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित



करना भी समान रूप से जरूरी है। इस साझेदारी के तहत व्यवस्थित वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों, डिजिटल माध्यमों से पहुंच और केपस में शुरू की गई पहलों के जरिए निवेशकों को बाजार की बारीकियों को समझकर जिम्मेदारी से आगे बढ़ने के लिए जरूरी जानकारी उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

बजाज ब्रोकिंग के #OddHaiTohFraudHai जैसे

कैंपेन को हल्करे सहयोग से बड़े पैमाने पर चलाया जाएगा, ताकि धोखाधड़ी से बचाव, संदिग्ध संकेतों की पहचान तथा डिजिटल निवेश में सुरक्षा के सबसे बेहतर तरीकों के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके। इस साझेदारी से तकनीकी इनोवेशन को भी बढ़ावा मिलेगा, जिसमें दोनों टीमों निवेशकों की जरूरतों के हिसाब से नए फीचर्स और बेहतरीन अनुभव प्रदान करने वाले प्रोडक्ट बनाने के लिए मिलकर काम करेंगी। बजाज ब्रोकिंग और हल्करे साथ मिलकर प्रोडक्ट के नए-नए फीचर्स विकसित करेंगे, इन्वेस्टर इंटरफेस को बेहतर बनाएंगे और भारतीय निवेशकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए आधुनिक डिजिटल समाधान पेश करेंगे। अकाउंट खोलने और ट्रांजेक्शन को आसान बनाने से लेकर, वास्तविक समय की जानकारी

और अलग-अलग एसेट्स तक पहुंच को आसान बनाने तक, इस साझेदारी का लक्ष्य टेक्नोलॉजी के जरिए रिटेल निवेश को अधिक सुविधाजनक और सुलभ बनाना है।

NSDL के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, श्री विजय चंडेक का वक्तव्य 'NSDL ने भारत के पूंजी बाजारों में भरोसे और सुरक्षा को मजबूत करने में हमेशा एक अहम भूमिका निभाई है। बजाज ब्रोकिंग के साथ हमारी यह साझेदारी बाजार के अनुभव और निवेश को सरल बनाने के हमारे साझा लक्ष्य को और मजबूत करती है। हमने टेक्नोलॉजी और आपसी सहयोग का लाभ उठाकर, निवेशकों के बीच जागरूकता बढ़ाने, पहुंच में सुधार करने और भारत में आने वाले समय में निवेश के माहौल को मजबूत करने का लक्ष्य रखा है।'

सैनिक भारत की सीमाओं के साथ देश के स्वाभिमान की भी करते हैं रक्षा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

राज्य सरकार सैनिक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में आयोजित राज्य सैनिक रैली को किया वर्चुअली संबोधित

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सैनिक केवल भारत की सीमाओं की रक्षा नहीं करते बल्कि देश के स्वाभिमान की भी रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि जो वदी पहन कर देश के लिए खड़ा होता है, उसके सामने पूरा राष्ट्र नतमस्तक होता है। मातृभूमि के प्रति सैनिकों के प्रेम और समर्पण के कारण ही भारत का तिरंगा शान से लहरा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत माता की सेवा में सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन में राज्य सैनिक रैली को भोपाल के राजकीय विमानतल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत हैं, सैनिकों के प्रति उनकी

संवेदनाएं सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि हमारे उन वीर सैनिकों जिन्होंने



देश की रक्षा में अपने प्राण न्यौछावर किए, उनकी कमी तो पूरी नहीं की जा सकती, लेकिन ऐसे वीरों के परिवारों के साथ सरकार हर कदम पर खड़ी है। राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि शहीद

आश्रितों को पेंशन, वित्तीय सहायता, रोजगार और सभी



मूलभूत सुविधाएँ समय पर और सम्मानपूर्वक प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि जहाँ भी आवश्यकता होगी, इन योजनाओं को और अधिक सशक्त किया जाएगा। राज्य सरकार ने शहीदों के माता-पिता को दी जाने

वाली मासिक सहायता राशि अब 10 हजार रूपए प्रतिमाह कर दी है। शहीदों की पुत्रियों और बहनों के विवाह पर 51 हजार रूपए की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। युद्ध एवं सैन्य कार्रवाई में शहीद हुए सेना एवं केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों के आश्रितों को दी जाने वाली सहायता राशि बढ़ाकर 1 करोड़ रूपए की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में निवासरत द्वितीय विश्व युद्ध के सैनिकों और उनकी पत्नियों की मासिक पेंशन राशि 8 हजार से बढ़ाकर 15 हजार प्रतिमाह की गई है, जो देश में सर्वोच्च है। विभिन्न शौर्य एवं विशिष्ट सेवा अलंकरणों से नवाजे गए सैनिकों एवं उनके आश्रितों को राज्य शासन द्वारा सर्वाधिक सम्मान राशि दी जाती है। मध्यप्रदेश निवासी ऐसे माता-

पिता, जिनकी पुत्री सेना में है, उनकी सम्मान निधि 10 हजार रूपए से बढ़ाकर 20 हजार रूपए प्रतिवर्ष की गई। इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप वर्ष 2025 में मध्यप्रदेश सैनिक कल्याण निदेशालय को रक्षा मंत्री द्वारा 'प्रोग्रेसिव स्टेट ट्रॉफी' से सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है, साथ ही सैनिक विश्राम गृहों के उन्नयन का कार्य भी जारी है। प्रदेश में रोजगार एवं स्व-रोजगार के अवसरों को विस्तारित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सैनिक रैली राष्ट्र गौरव और एकता की भावना को और सुदृढ़ करे, यही कामना है। उन्होंने सभी को गणतंत्र दिवस की अग्रिम शुभकामनाएँ भी दीं।

झाबुआ के ग्रामों में विकास कार्यों को मिली नई गति मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने आंगनवाड़ी भवन का लोकार्पण एवं विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया

भोपाल : महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि विकास की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुँचें और ग्रामीण अंचलों में सशक्त अधोसंरचना का निर्माण हो। सुश्री भूरिया शुक्रवार को झाबुआ जिले के विभिन्न ग्रामों में विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। इसके तहत ग्राम झुमका में 11.22 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन आंगनवाड़ी भवन का विधिवत लोकार्पण किया गया। साथ ही ग्राम पंचायत अंतर्गत 37.50 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित नवीन भवन निर्माण कार्य का भूमि-पूजन, ग्राम लखपुरा में 38 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित पुलिया सह स्टॉप डैम निर्माण कार्य का भी विधिवत भूमि पूजन किया गया।

मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत

आधारभूत संरचना का निर्माण ही समग्र विकास की कुंजी है। आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक,

भूरिया ने लखपुरा में पुलिया सह स्टॉप डैम निर्माण कार्य के क्षेत्र के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए



मानसिक एवं बौद्धिक विकास की पहली पाठशाला होते हैं। नवीन आंगनवाड़ी भवन के निर्माण से बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुविधायुक्त वातावरण मिलेगा, जिससे पोषण स्तर में सुधार होगा और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं अधिक प्रभावी बनेंगी। मंत्री सुश्री

कहा कि इससे वर्षों जल का संरक्षण होगा, भूजल स्तर में वृद्धि होगी और किसानों को सिंचाई हेतु पर्याप्त जल उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही पुलिया निर्माण से आवागमन व्यवस्था सुदृढ़ होगी, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

आबकारी नीति 2026-27 पर मंथन : अवैध शराब पर सख्ती, 18 हजार करोड़ राजस्व लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश

भोपाल : उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा शुक्रवार को नई आबकारी नीति वर्ष 2026-27 पर चर्चा के लिए इफको भवन में आयोजित बैठक में शामिल हुए। बैठक में आबकारी राजस्व बढ़ाने, अवैध शराब पर प्रभावी नियंत्रण तथा विभागीय कार्य प्रणाली को और सुदृढ़ बनाने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि नई नीति के लिए सभी जिला अधिकारी अपने सुझाव लिखित में भी दे सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने बताया कि वर्ष 1915 में बना आबकारी अधिनियम की कठिनाई अगर अत्यावहारिक है तो उसमें संशोधन किया जाएगा जो कि समय के अनुकूल हो। इस वित्तीय वर्ष में आबकारी राजस्व का लक्ष्य 18 हजार करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है, जिसे मार्च 2026 तक पूरा किया जाना है। उन्होंने एक हजार

करोड़ रुपये की आबकारी बकाया राशि की वसूली के निर्देश दिए। जिन मामलों में प्रकरण न्यायालय में लंबित हैं, वहां विशेष प्रयास कर



संपूर्ण राशि की वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से शराब के विक्रय पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। संबंधित जिलों के अधिकारियों से कहा कि किसी भी परिस्थिति में अवैध शराब का कारोबार नहीं होना चाहिए, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए।

हाल ही में भोपाल, धार, ग्वालियर एवं रायसेन में की गई शराब जब्ती को कार्रवाई का उल्लेख करते हुए बिना परमिट शराब के परिवहन पर



सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि सभी अधिकारी तय लक्ष्य को पूरा करें। उन्होंने कहा कि शीघ्र निराकरण करने, राज्य स्तरीय उड़नदस्ता एवं संभागीय उड़नदस्तों को और अधिक सक्रिय करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि अवैध शराब के निर्माण और विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

महिलाओं द्वारा शराब की दुकानों से संबंधित जो शिकायतें प्राप्त होती हैं उसे गंभीरता से लेते हुए यथाशीघ्र निराकरण करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी जिम्मेदारी, इच्छाशक्ति एवं मजबूती से कार्य करें। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने जहरीली शराब की घटनाओं पर विशेष चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी जिले में इस प्रकार की घटना दोबारा न हो। यदि ऐसी कोई घटना सामने आती है तो संबंधित जिला आबकारी अधिकारी पूर्णतः जिम्मेदार होंगे, क्योंकि ऐसी घटनाओं से सरकार की छवि धूमिल होती है। विभाग में लंबित विभागीय जांचों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण करने, राज्य स्तरीय उड़नदस्ता एवं संभागीय उड़नदस्तों को और अधिक सक्रिय करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि अवैध शराब के निर्माण और विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

कोल्ड सिरप कांड के बाद भी लापरवाही, जेपी अस्पताल में मरीजों को मिली खराब दवाएं, जांच कमेटी बनी

भोपाल। मध्यप्रदेश में बच्चों की मौतों से जुड़े कोल्ड ड्रिंक सिरप मामले के बाद भी सरकारी अस्पतालों में दवाओं की गुणवत्ता पर सवाल थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। राजधानी के जेपी अस्पताल से इलाज के नाम पर खराब दवाएं दिए जाने के दो मामले सामने आए हैं, जिससे स्वास्थ्य व्यवस्था की निगरानी पर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। हैरानी की बात यह है कि 3 दिन में ही जिला अस्पताल से जुड़ी दो शिकायतें दर्ज की हुई। पहला मामला 3 जनवरी का है, जब सतीष सेन नामक मरीज ने अस्पताल से मिली डिक्लोफेनाक टैबलेट में फफूंदी होने का आरोप लगाया। इसके तीन दिन बाद 6 जनवरी को मनीष नामक युवक ने गले के इलाज के लिए दिए गए क्लोरहेक्सिडिन माउथ वॉश में कोई जैसी आकृति दिखाई देने की शिकायत की। दोनों मामलों के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग

हरकत में आया है।

जांच के लिए विशेष दल गठित सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने इन शिकायतों को गंभीर मानते हुए पांच सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया है। इस टीम में फूड एंड ड्रग विभाग के अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी शामिल हैं। दल को जेपी अस्पताल की फार्मसी, ड्रग स्टोर और मरीजों को दी जा रही दवाओं के पूरे स्टॉक की जांच के निर्देश दिए गए हैं।

इन दवाओं पर उठा संदेह जिन दवाओं को लेकर शिकायतें आई हैं, उनमें दर्द निवारक डिक्लोफेनाक 50 एमजी टैबलेट और गले के संक्रमण में इस्तेमाल होने वाला 50 एमएल का क्लोरहेक्सिडिन माउथ वॉश आईपी 0.2 प्रतिशत शामिल है। माउथ वॉश का सैंपल लैब टेस्ट के लिए भेज दिया गया है, ताकि उसमें दिख रही संदिग्ध वस्तु की पुष्टि हो सके।

अस्पताल प्रशासन की चुप्पी पूरे मामले में जेपी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. संजय जैन की चुप्पी भी सवालों के घेरे में है। उन्होंने कहा कि आप अस्पताल आ कर समझ लें ऐसे कुछ कहना सही नहीं होगा। जबकि अस्पताल के स्टोर स्टॉफ का कहना है कि जेपी अस्पताल परिसर में नमी एक बड़ी समस्या है। ड्रग स्टोर और फार्मसी की दीवारों में लगातार सीजन रहती है, जिसकी शिकायतें पहले भी सिविल सर्जन कार्यालय में की जा चुकी हैं। आशंका जताई जा रही है कि यही नमी दवाओं की गुणवत्ता खराब होने की एक बड़ी वजह हो सकती है। अब जांच के नतीजों पर सबकी नजर है। सवाल यह है कि क्या कोल्ड सिरप मामले के बाद भी स्वास्थ्य व्यवस्था दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में नाकाम साबित हो रही है, या फिर इन शिकायतों के पीछे कोई और सच्चाई सामने आएगी।

सिंटेक्स ने मध्य प्रदेश में लॉन्च किया विश्व का पहला एंटी-माइक्रोबियल सीपीवीसी पाइप

भोपाल। भारत में जल भंडारण समाधानों के क्षेत्र में विश्वसनीय पहचान रखने वाले वेल्स्पन समूह के ब्रांड सिंटेक्स ने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में विश्व का पहला एंटी-माइक्रोबियल सीपीवीसी पाइप लॉन्च किया। इस लॉन्च के साथ सिंटेक्स ने जल भंडारण से आगे बढ़ते हुए जल वितरण प्रणाली में भी अपने नवाचार और गुणवत्ता की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। करीब 50 वर्षों की विरासत के साथ सिंटेक्स ने भरोसे, गुणवत्ता और नवाचार की अपनी पहचान को अब पाइपिंग सॉल्यूशंस तक विस्तारित किया है। कंपनी का यह नया सीपीवीसी पाइप स्वच्छ और सुरक्षित जल आपूर्ति के लिए एक टिकाऊ समाधान प्रदान करता है, जो घरों, खेतों, आवासीय परिसरों और औद्योगिक उपयोगों में स्वास्थ्य एवं सुख्खा सुनिश्चित करता है। इस अवसर पर कंपनी ने सीपीवीसी के साथ-साथ यूपीवीसी, एएसडब्ल्यूआर (सायल, वेस्ट एवं रेन वाटर), रीक्लेम, एग्री, अंडरग्राउंड

ड्रेनेज और सरफेस ड्रेनेज पाइप्स एवं फिटिंग्स की रेंज भी पेश की। ये उत्पाद गर्म व ठंडे पानी, ग्रे वाटर और ब्लैक वाटर प्रबंधन से जुड़ी सभी प्लंबिंग आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम हैं। मध्य प्रदेश सिंटेक्स के प्रमुख बाजारों में से एक है, जहां कंपनी अपनी उपस्थिति को और अधिक सशक्त करने पर विशेष ध्यान दे रही है। इस रणनीतिक विस्तार के माध्यम से सिंटेक्स का उद्देश्य नवाचार, गुणवत्ता और स्वास्थ्य-प्रथम इंजीनियरिंग के जरिए भारत की बदलती इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरतों को पूरा करना है। कंपनी के अनुसार, इन पाइप्स को उच्चतम स्थायित्व और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप डिजाइन किया गया है, ताकि हर परिवार के लिए सुरक्षित पानी और स्वस्थ घर निर्माण प्रेरित किया जा सके। इससे पहले सिंटेक्स अपने पाइप उत्पाद छत्तीसगढ़, पंजाब, चंडीगढ़, महाराष्ट्र और राजस्थान में लॉन्च कर चुकी है। वेल्स्पन बीपीएल लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सिंटेक्स के

डायरेक्टर श्री यशोवर्धन अग्रवाल ने कहा, 'सिंटेक्स पिछले 50 वर्षों से भारतीय घरों में सुरक्षित और विश्वसनीय जल भंडारण का पर्याय रहा है। भोपाल में सिंटेक्स पाइप्स के



लॉन्च के साथ हम जल वितरण की चुनौती को गुणवत्ता और नवाचार के माध्यम से हल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। विश्व का पहला एंटी-माइक्रोबियल सीपीवीसी पाइप केवल एक नया उत्पाद नहीं, बल्कि हमारी संपूर्ण, स्वास्थ्य-आधारित जल प्रबंधन यात्रा का विस्तार है।' सिंटेक्स एडवांटेज हइड्रज तकनीक से सुसज्जित यह नई पाइप

रेंज एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल, एंटी-फंगल और एंटी-एलर्जी गुणों से युक्त है। इसकी एंटी-माइक्रोबियल संरचना यह सुनिश्चित करती है कि पाइपलाइन से गुजरते समय पानी स्वच्छ और सुरक्षित बना रहे, जो भारत जैसे उष्ण और अधिक आर्द्रता वाले क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। करीब 7.2 करोड़ की आबादी वाले मध्य प्रदेश में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, सतना और जबलपुर जैसे तेजी से विकसित हो रहे शहर शामिल हैं, जो स्मार्ट सिटी मिशन का भी हिस्सा हैं। इन शहरों में सुरक्षित, स्वच्छ और कुशल जल वितरण प्रणाली की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने में यह नया उत्पाद अहम भूमिका निभाएगा। श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि जल जीवन मिशन, अमृत 2.0 और स्मार्ट सिटीज मिशन जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों के विस्तार के साथ गुणवत्ता-प्रथम, सुरक्षित और टिकाऊ पाइपिंग समाधानों की मांग

विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों में तेजी से बढ़ेगी। सिंटेक्स का उत्पाद रोडमैप इन सभी मिशनों के अनुरूप है और दीर्घकालिक मूल्य, सुरक्षा, दक्षता और कम रखरखाव का भरोसा देता है। गौरतलब है कि अक्टूबर 2024 में सिंटेक्स ने 85 करोड़ रुपये में रायपुर स्थित वीटेक प्लास्टिक्स का 100 प्रतिशत अधिग्रहण किया था, जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 19,000 मीट्रिक टन है। यह कदम भारत के तेजी से बढ़ते प्लास्टिक पाइप बाजार में कंपनी की स्थिति को और मजबूत करने की दिशा में उठाया गया है। उद्योग अनुमानों के अनुसार, भारत का उग्र बाजार वित्त वर्ष 2030 तक 1.3 लाख करोड़ रुपये का हो सकता है। वर्तमान में लगभग 60 प्रतिशत बाजार असंगठित है, जहां निम्न गुणवत्ता और बिना ब्रांड के उत्पादों का प्रभुत्व है। ऐसे में सिंटेक्स के लिए गुणवत्ता, नवाचार और भरोसे के माध्यम से नेतृत्व स्थापित करने का यह एक बड़ा अवसर माना जा रहा है।

हाईकोर्ट के फैसले से कर्मचारियों में जोश, सरकार को अल्टीमेटम, आदेश नहीं माना तो मंत्रालय घेराव

भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट जबलपुर के फैसले ने प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है। अदालत ने 2019 में जारी उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके तहत नव नियुक्त कर्मचारियों के वेतन में पहले तीन वर्षों तक क्रमशः 30, 20 और 10 प्रतिशत की कटौती की जा रही थी। इस निर्णय को कर्मचारी संगठनों ने अपने अधिकारों की निर्णायक जीत बताया है। मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के प्रताप्यक्ष अशोक पांडेय ने भोपाल में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रदेश में अलग-अलग दूर की सरकारों ने कर्मचारियों के हितों को नजरअंदाज किया। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2000 में तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के फैसले से 28 हजार दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नौकरी गंवानी पड़ी, जबकि 2019 में कमलनाथ सरकार ने नियमित कर्मचारियों के वेतन में

जबरन कटौती का आदेश जारी किया।

पूरी राशि प्रभावित कर्मचारियों को लौटाई जाए



पांडेय के अनुसार, सामान्य प्रशासन विभाग ने 12 दिसंबर 2019 को आदेश जारी कर नियुक्ति के पहले वेतन देना सरकार की जिम्मेदारी है और समान कार्य-समान वेतन का सिद्धांत लागू होगा। अदालत ने यह भी निर्देश दिए हैं कि पिछले छह वर्षों में वेतन से की गई कटौती की पूरी राशि प्रभावित कर्मचारियों को लौटाई जाए।

शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दिया। अब हाईकोर्ट की डबल बेंच जस्टिस विवेक रसिया और जस्टिस दीपक कुमार ने 6 जनवरी

2026 को इस आदेश को असंवैधानिक करार देते हुए स्पष्ट किया है कि पूरा काम लेने पर पूरा वेतन देना सरकार की जिम्मेदारी है और समान कार्य-समान वेतन का सिद्धांत लागू होगा। अदालत ने यह भी निर्देश दिए हैं कि पिछले छह वर्षों में वेतन से की गई कटौती की पूरी राशि प्रभावित कर्मचारियों को लौटाई जाए।

मुफ्त योजनाओं पर सवाल, एरियर जारी करने की मांग अशोक पांडेय ने कहा कि राज्य सरकार लाड़ली बहना समेत अन्य योजनाओं के तहत मुफ्त में धन बांट रही है, जबकि कर्मचारियों के हक का पैसा रोका जा रहा है। उन्होंने मांग की कि कर्मचारियों का बकाया एरियर, जो करीब 20 वर्षों से लंबित है, तत्काल जारी किया जाए। साथ ही हाईकोर्ट के आदेश को केवल याचिकाकर्ताओं तक सीमित न रखकर प्रदेश के सभी कर्मचारियों पर लागू किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को विकास पर फोकस करना चाहिए, ताकि कर्मचारी पूरी क्षमता से प्रदेश के विकास में योगदान दे सकें। पांडेय ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द स्पष्ट आदेश जारी नहीं किया, तो 13 जनवरी 2026 को भोपाल में मंत्रालय का घेराव कर मुख्यमंत्री को जापन सौंपा जाएगा।

गोमांस विवाद पर कांग्रेस का निगम घेराव, जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं तो उग्र आंदोलन की चेतावनी

भोपाल। भोपाल में गोमांस मिलने के मामले को लेकर कांग्रेस ने शुक्रवार को नगर निगम के माता मंदिर स्थित मुख्यालय का घेराव किया। बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां और गाय के पोस्टर लेकर पहुंचे और नगर निगम व राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के चलते सुबह करीब 11.30 बजे तक निगम कार्यालय में कामकाज ठप रहा। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि नगर निगम के आधुनिक स्लॉटर हाउस से निकले गोमांस में 26 टन मांस मिला, जिसमें गोमांस की पुष्टि हुई है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्रदेश और देश में भाजपा की सरकार है, तब राजधानी भोपाल में गोमांस की बिक्री और तस्करी कैसे हो रही है।

बिना राजनीतिक संरक्षण के संभव नहीं प्रदेश कांग्रेस महामंत्री

अमित शर्मा ने कहा कि यह पूरा मामला बिना राजनीतिक संरक्षण के संभव नहीं है। उन्होंने पूछा कि

कार्रवाई की जाए, ठेकेदार के घर और स्लॉटर हाउस पर बुलडोजर चलाया जाए तथा पूरे मामले को



स्लॉटर हाउस से मांस से भरी गाड़ी बाहर कैसे निकली, ठेकेदार को टेंडर किसने दिलाया और किन लोगों को इस गोरखबंध से फायदा पहुंचाया जा रहा था। कांग्रेस ने मांग की कि दोषी ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त

उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। **कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस आंदोलन को और तेज करेगी** नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस आंदोलन को और तेज करेगी और मुख्यमंत्री व महापौर निवास का भी

घेराव किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान स्थिति संभालने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। कांग्रेस का कहना है कि जब तक इस मामले में जवाबदेही तय नहीं होती, तब तक उसका आंदोलन जारी रहेगा। **निगम के तर्क, जिम्मेदारी तय नहीं** नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने रिपोर्ट के आधार पर स्लॉटर हाउस सील करने की बात कही है। वहीं अपर आयुक्त एवं गोवर्धन परियोजना के प्रभारी हर्षित तिवारी ने मांस के निपटान और बाहर ले जाने की प्रक्रिया को नियमों के तहत बताया। हालांकि निरीक्षण, रिकॉर्ड और निगरानी की जिम्मेदारी किसकी थी, इस पर स्पष्ट जवाब नहीं मिल सका है। चूँकि स्लॉटर हाउस का ठेका मेयर इन कार्डसिल से स्वीकृत हुआ था, इसलिए महापौर की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं।

भारत की भलाई गुटनिरपेक्ष नीतियों में

समकालीन रमणीक जनतांत्रिक दुनिया अमेरिकी वर्चस्व और उसकी समर्थित हिंसक हस्तक्षेपवादी राजनीति से तभी ज्यादा महफूज हो सकती है, जब शक्ति-संतुलन बहुध्रुवीय होगा, अंतरराष्ट्रीय कानून को वास्तविक दौँत मिलेंगे, और वैश्विक दक्षिण यानी ग्लोबल साउथ के देश परस्पर मिलकर वैकल्पिक संस्थागत ढांचे खड़े करेंगे। ऐसा इसलिए कि केवल नैतिक अपील या यूएनओ की प्रतीकात्मक निंदा से, जैसा कि यूक्रेन, गाजा और वेनेजुएला पर हालिया हमले में उसका गैरजिम्मेदाराना रोल दिखा, स्थितियाँ नहीं बदलेंगी। इसलिए यक्ष प्रश्न है कि आखिरकार अमेरिका की हस्तक्षेपवादी राजनीति से कैसे सुरक्षित रहेंगे उसके प्रतिद्वंद्वी देश? इसलिए खतरे की असल प्रकृति को समझना पड़ेगा, फिर रूस, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, ईरान, उत्तर कोरिया, कम्बोडिया, क्यूबा, मेक्सिको आदि देशों को परस्पर मिलकर अमेरिकी आपराधिक प्रवृति को हतोत्साहित करना होगा। इस निमित्त चीन को भी अपनी विस्तारवादी नीति और ईरान को इस्लामिक पूर्वाग्रही नीति से तौबा करना पड़ेगा। अन्यथा तटस्थ देश भारत का सहयोग ग्लोबल साउथ को नहीं मिल पायेगा और वह मजबूरी में अमेरिका-इजरायल-जापान खेमे से सहयोग लेते रहने को अभिशप्त हो जाएगा। हालाँकि, रूसी-चीनी मित्रता से और भारत-चीन की शत्रुता से भारत हमेशा सावधान रहता है और अमेरिका-यूरोप के प्रति भी सहानुभूति रखता है। लेकिन पश्चिमी देशों की दोगली नीति के चलते भारत की भलाई गुटनिरपेक्ष नीतियों में ही है। यह स्थिति भारत-रूसी मित्रता की प्रगाढ़ता के लिए भी अच्छी नहीं होगी। क्योंकि अमेरिका, रूस और चीन को आर्थिक व सैन्य दृष्टि से तेजी से मजबूत बनते भारत को रोकने का स्वंग रच कर उसको आंख दिखाने वाले विकासशील देशों पर अनैतिक कार्रवाई करके उन्हें अपने काबू में ले रहा है। दुनिया ने देखा कि अमेरिका ने वेनेजुएला पर “ऑपरेशन एक्सोल्यूट रिजॉल्व” के तहत राष्ट्रपति मादुरो को गिरफ्तार कर बाहर ले जाकर “देश चलाने” तक की बात कही, जो संप्रभुता पर सीधा हमला और पुराने मौनरो सिद्धांत की वापसी है। ऐसा करके उसने इराक की तरह ही तेल और दुर्लभ खनिज संपदा का खेल शुरू कर दिया है। साथ ही कम्बोडिया, मेक्सिको, क्यूबा, ग्रीनलैंड, ईरान आदि को लेकर डॉनल्ड ट्रंप ने जो धमकी दी है, वह हैरतअंगेज पर काबिलेगौर है। वहीं, वेनेजुएला के कार्यकारी राष्ट्रपति से उन्होंने अपेक्षा जताई है कि वह रूस, चीन, ईरान और क्यूबा से अपने सम्बन्धों को न्यूनतम करें ताकि अमेरिका को रणनीतिक खतरों से बचाया जा सके। अभी तक का जो अमेरिकी इतिहास है, उसके दृष्टिगत लक्षित देश इराक, लिबिया, सीरिया, फिलिस्तीन, वियतनाम आदि की तरह बर्बाद हुए हैं। सच कहा जाए तो वेनेजुएला के तरह के एकतरफ़ा सैन्य ऑपरेशन को अंतरराष्ट्रीय कानून और यूएन चार्टर के उल्लंघन के रूप में कई विशेषज्ञों व देशों ने देखा, लेकिन स्थायी सदस्यों की राजनीति के कारण कोई ठोस दंडात्मक क़दम नहीं उठ पाया। स्पष्ट है कि रूस को यूक्रेन सहित पश्चिमी यूरोप से, भारत को पाकिस्तान-बंगलादेश समेत अन्य पड़ोसी देशों से और चीन को ताइवान सहित दक्षिण चीन सागर में उलझाने के बाद अब उसने नए सिरे से अमेरिकी विस्तारवाद का विगुल फूंक दिया है। जिसका मकसद साफ है कि अमेरिका अब उत्तर अमेरिका और दक्षिण अमेरिका में रूस, चीन, भारत, ब्राजील की दाल नहीं गलने देगा ताकि समय रहते ही ब्रिक्स की हवा निकल जाए। यह मुनरो सिद्धांत की वापसी है ताकि पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिका अपराजैय बन जाए। कूटनीतिक विशेषज्ञों के मुताबिक, अब तक अमेरिका की रणनीति रही कि यूरोप में रूस, चीन, भारत की दाल नहीं गले। लेकिन जब उसने महसूस कर लिया कि जी-सेवन के अन्य यूरोपीय व एशियाई देश चीन, भारत, रूस व अरब देशों से सम्बन्ध प्रगाढ़ बना रहे हैं और अमेरिका से मदद लेकर यह सबकुछ कर रहे हैं तो डॉनल्ड ट्रंप ने इनकी आर्थिक नकेल कसनी शुरू कर दी। साथ ही खुद को पश्चिमी गोलार्द्ध यानी उत्तरी अमेरिका व दक्षिणी अमेरिका में मजबूत करने का संकल्प लिया और वेनेजुएला से अमल प्राप्त कर दिया और भावी इरादे भी स्पष्ट कर दिए। इससे भविष्य में अमेरिका का प्रतियोगी बनने की चाहत रखने वाले सभी देशों में हड़कंप मचा हुआ है। कल तक जो डॉलर को रिप्लेस करने का स्वप्न पाले हुए थे, वो अब अपने समर्थकों को भी अमेरिका के खूनी पंजों से बचा नहीं पा रहे हैं। वहीं, हैरत की बात है कि अब तक इस्लामिक देशों के आतंकवादियों के मार्फ़त अपनी दादागिरी चलाने वाला अमेरिका अब खुद ही सैन्य कार्रवाई के विकल्प पर उतर आया है जो ब्रिक्स देशों को खुली चुनौती है कि जोर है तो रोक लो। शायद इसलिए अमेरिका रूस, चीन, भारत से एक एक करके अपने रिस्ते तो मजबूत रखना चाहता है, लेकिन इन्हें परस्पर भिड़ाये रखना भी चाहता है ताकि ये तीनों देश कभी एक न हो पाएं और अमेरिका की दादागिरी उत्तर अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, पश्चिमी यूरोप, पश्चिमी एशिया, पूर्वी एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया तक चलती रहे। यही वजह है कि वैश्विक ढांचे में सुधार की ज़रूरत है। इसमें भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, जापान और जर्मनी जैसे देशों को शामिल करने की आवश्यकता है। क्योंकि दुनिया ने देखा कि यूएन सुरक्षा परिषद में पी-5 वीटो की असंमित शक्ति ने यूक्रेन, गाजा और वेनेजुएला जैसे मामलों में पक्षपात और पंगुता साबित की है, इसलिए प्रस्ताव है कि नरसंहार, युद्ध अपराध जैसे मुद्दों पर वीटो पर थोमैटिक प्रतिबंध लगे और उसकी सार्वजनिक जवाबदेही तय हो। “यूनाइटेड फॉर पीस” और 2022 की Veto Initiative जैसे उपायों के जरिये जनरल असेंबली को ज़्यादा सक्रिय भूमिका देने की दिशा उभर रही है, जिससे एकतरफ़ा दखल पर सामूहिक राजनीतिक लागत बढ़े। इसलिए बहुध्रुवीय शक्ति-संतुलन ज़रूरी है। BRICS और BRICS+ का विस्तार 2025 के बाद से पश्चिमी प्रभुत्व के मुकाबले एक वैकल्पिक आर्थिक-राजनीतिक धुरी बना रहा है, जहाँ “फेयर एंड रिप्रेजेंटेटिव ग्लोबल ऑर्डर” का लक्ष्य रखा गया है।

— कटाक्ष | सुरेश मिश्र

*ट्रंप तुम्हारे कर्म से जग में है हड़कंप
दुश्मन भी कर रहे हैं,मेढक जैसा जंप
मेढक जैसा जंप,मादुरो को ले भागे
बचना मियां मुनीर,अगर मोदी जी जागे
कह सुरेश कविराय,खल को कर देंगे डंप
पुतिन करो तुम भी वही, जो करते हैं ट्रंप*



साभार

भारत बनेगा ब्लू इकोनॉमी का पावर हाउस

भारत एक ऐसा देश है जिसकी 7,517 किलोमीटर लंबी तटरेखा है और तीन तरफ से समुद्र घिरा हुआ है। यहाँ की अर्थव्यवस्था में समुद्री व्यापार की बड़ी भूमिका है। लगभग 95 प्रतिशत विदेशी व्यापार समुद्र के रास्ते होता है। लेकिन अब तक भारत जहाज निर्माण में बहुत पीछे रहा है। इसे बढ़ाने के लिए मोदी सरकार ने 44700 करोड़ खर्च करने की तैयारी कर ली है। वैश्विक स्तर पर जहाज निर्माण में चीन, दक्षिण कोरिया और जापान का दबदबा है और ये तीन देश मिलकर 95 प्रतिशत से ज्यादा जहाज बनाते हैं। भारत का हिस्सा सिर्फ 0.1 प्रतिशत से भी कम है और वैश्विक रैंकिंग में 20वें स्थान के आसपास है। वैश्विक स्तर पर जहाज निर्माण में भारत का हिस्सा सिर्फ 0.1 प्रतिशत से भी कम है और वैश्विक रैंकिंग में 20वें स्थान के आसपास है। मोदी सरकार इसे बदलना चाहती है। अब सरकार ब्लू इकोनॉमी को मजबूत बनाने पर जोर दे रही है। ब्लू इकोनॉमी का मतलब है समुद्र के संसाधनों का टिकाऊ इस्तेमाल। जैसे मछली पकड़ना, बंदरगाह, जहाजरानी, समुद्री ऊर्जा, पर्यटन और जहाज निर्माण। इससे अर्थव्यवस्था बढ़ेगी, रोजगार बनेगा और पर्यावरण सुरक्षित रहेगा। सरकार का लक्ष्य है कि 2047 तक भारत जहाज निर्माण में विश्व के टॉप-5 देशों में शामिल हो जाए। इसके लिए हाल ही में दो बड़ी योजनाओं के दिशानिर्देश जारी किए गए हैं, 1- शिपबिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस स्कीम और दूसरा - शिपबिल्डिंग डेवलपमेंट स्कीम। इन पर कुल 44,700 करोड़ रुपए खर्च



होंगे। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के अनुसार “प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की अगुवाई में जहाज निर्माण क्षेत्र को नई नीति मिली है। ये दिशानिर्देश पारदर्शी और स्थिर ढाँचा बनाएँगे, जिससे घरेलू जहाज निर्माण फिर से जीवित होगा। इससे मेक इन इंडिया को बल मिलेगा, बड़े निवेश आएँगे और विश्व स्तरीय क्षमता बनेगी। भारत विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की राह पर एक बड़ी समुद्री राष्ट्र बनेगा।” जानकारी के अनुसार मोदी सरकार की शिपबिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस स्कीम और शिपबिल्डिंग डेवलपमेंट स्कीम योजनाएँ सितंबर 2025 में कैबिनेट से मंजूर 69,725 करोड़ रुपए के पैकेज का हिस्सा हैं। दिसंबर 2025 में इनके ऑपरेशनल गाइडलाइंस जारी हुए। दोनों योजनाएँ 31 मार्च 2036 तक चलेंगी और 2047 तक बढ़ाई जा सकती हैं। शिपबिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस स्कीम का बजट 24,736 करोड़ रुपये है। इसमें भारतीय जहाज निर्माण कंपनियों को हर जहाज पर 15 से 25 प्रतिशत तक वित्तीय मदद

मिलेगी। यह मदद जहाज के प्रकार पर निर्भर करेगी, जिसमें छोटे सामान्य जहाज, बड़े सामान्य या विशेष जहाज होंगे। सरकार की ओर से मदद चरणबद्ध तरीके से मिलेगी, स्टेप-दर-स्टेप काम पूरा होने के आधार पर। इसके साथ ही सीरीज ऑर्डर पर अतिरिक्त प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। एक नई सुविधा है शिपब्रैकिंग क्रेडिट नोट। अगर कोई पुराना जहाज भारतीय यार्ड में तोड़ा जाता है, तो मालिक को स्कूप वैल्यू का 40 प्रतिशत क्रेडिट मिलेगा। इसे नए जहाज बनाने में इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे सकुलर इकोनॉमी को बढ़ावा मिलेगा और पुराने जहाज से नए बनेंगे। जानकारी के अनुसार अगले दशक में यह योजना 96,000 करोड़ रुपए के जहाज निर्माण प्रोजेक्ट सपोर्ट करेगी। इससे घरेलू विनिर्माण बढ़ेगा और लाखों रोजगार बनेंगे। शिपबिल्डिंग डेवलपमेंट स्कीम - मोदी सरकार की इस योजना का बजट 19,989 करोड़ रुपये है। यह लंबे समय की क्षमता बनाने पर फोकस करती है। इसमें नए ग्रीनफील्ड जहाज निर्माण क्लस्टर बनेंगे। केंद्र और राज्य

मिलकर 50रू50 स्पेशल पर्पज व्हीकल बनाएँगे, जो सामान्य इंफ्रास्ट्रक्चर पर 100 प्रतिशत पूंजी मदद देगा। पुराने ब्राउनफील्ड याइर्स को आधुनिकीकरण के लिए 25 प्रतिशत मदद मिलेगी, जैसे ड्राई डॉक, शिपलिफ्ट, फैब्रिकेशन सुविधाएँ और ऑटोमेशन अपनाने पर। क्रेडिट रिस्क कवरेज प्रेमवर्क से प्री-शिपमेंट, पोस्ट-शिपमेंट और आसानी से फाइनेंस हो सकेंगे। इन योजनाओं से 2047 तक भारत की व्यावसायिक जहाज निर्माण क्षमता 4.5 मिलियन ग्राँस टनेज प्रति वर्ष हो जाएगी। इससे रोजगार बढ़ेगा, स्वदेशी तकनीकी विकसित होगी और समुद्री सुरक्षा मजबूत होगी। जानकारी के अनुसार ब्लू इकोनॉमी भारत की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। फिलहाल यह जीडीपी में 4 प्रतिशत योगदान देती है, लेकिन संभावना बहुत ज्यादा है। सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक यह 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचे। सागरमाला प्रोजेक्ट इसके केंद्र में है। सागरमाला से बंदरगाह आधुनिक हो रहे हैं, तटीय आर्थिक जोन बन रहे हैं और लॉजिस्टिक्स लागत कम हो रही है। अब तक 839 प्रोजेक्ट्स की पहचान हुई है, जिनकी लागत 5.8 लाख करोड़ रुपए है। मेरिटाइम इंडिया विजन 2030 और अमृत काल विजन 2047 में जहाज निर्माण को प्रमुख स्थान दिया गया है। विजन 2030 में 150 से ज्यादा पहल हैं, जिन पर 3-3.5 लाख करोड़ निवेश होगा। अमृत काल विजन 2047 में 80 लाख करोड़ निवेश का प्लान है। इससे भारत टॉप-10 से टॉप-5 जहाज निर्माण देश बनेगा। विश्व में

जहाज निर्माण तेजी से बढ़ रहा है। 2025 में ग्लोबल मार्केट 155 अरब डॉलर का है। चीन अकेला 50 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा रखता है, उसके बाद दक्षिण कोरिया और जापान। ये देश स्विसिडी, आधुनिक तकनीक और बड़े क्लस्टर से आगे हैं। भारत अब उसी रास्ते पर है- क्लस्टर बनाकर, फाइनेंशियल मदद देकर और रिस्क कवर देकर। पहले भारत की क्षमता बहुत कम थी, सिर्फ 0.1 मिलियन ग्राँस टनेज प्रति वर्ष। कोचिन शिपयार्ड और हिंदुस्तान शिपयार्ड जैसे सार्वजनिक यार्ड मुख्य थे, लेकिन व्यावसायिक जहाज कम बनते थे। अब निजी क्षेत्र भी सक्रिय हो रहा है। जानकारों की माने तो भारत के लिए इस बार में आगे बढ़ने को लेकर काफी चुनौतियाँ हैं, जिसमें लागत ज्यादा होना, पुरानी तकनीकी, स्किल की कमी और महँगा फाइनेंस, लेकिन मोदी सरकार की योजनाएँ इन समस्याओं को दूर करेंगी। इस काम में नेशनल शिपबिल्डिंग मिशन समन्वय करेगा। स्वतंत्र मूल्यांकन और मीलस्टोन बेस्ड पेरिड से पारदर्शिता आएगी। सरकार का विजन स्पष्ट है कि आत्मनिर्भर भारत में समुद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सागरमाला, डीप ओशन मिशन और पीएम मत्स्य संपदा योजना से ब्लू इकोनॉमी मजबूत हो रही है। जहाज निर्माण इसमें केंद्र है। अंत में ये योजनाएँ सिर्फ जहाज बनाने की नहीं, बल्कि भारत को समुद्री महाशक्ति बनाने की हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था बुलंद होगी, युवाओं को रोजगार मिलेगा और देश सुरक्षित रहेगा। 2047 तक विकसित भारत का सपना समुद्र से भी पूरा होगा।

■**रामस्वरूप रावतसरे**

विकास को मापने का सही पैमाना क्या?

किसी भी देश की प्रगति, नीति- निर्माण और भविष्य की दिशा तय करने के लिए यह अत्यंत आवश्यक होता है कि विकास को मापने के लिए सही संकेतकों का चयन किया जाए। आर्थिक इतिहास में लंबे समय तक जीडीपी को विकास का सबसे प्रमुख और लगभग सर्वमान्य पैमाना माना गया। सरकारें, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और निवेशक सभी जीडीपी के आँकड़ों के आधार पर किसी देश की आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन करते रहे हैं। लेकिन समय के साथ-साथ यह प्रश्न गहराता गया कि क्या केवल उत्पादन, आय और बाजार गतिविधियाँ ही विकास का वास्तविक माप हो सकती हैं? क्या बढ़ती अर्थव्यवस्था अपने-आप नागरिकों के जीवन को बेहतर, सुखी और सुरक्षित बना देती है? इन्हीं प्रश्नों के उत्तर खोजने की प्रक्रिया में एनडीपी मतलब नेट घरेलू उत्पाद और आगे चलकर जीएनएच सकल राष्ट्रीय खुशी जैसे वैकल्पिक और अधिक व्यापक संकेतक सामने आए। यह लेख जीडीपी, एनडीपी और जीएनएच तینो की अवधारणा, उनकी उपयोगिता, सीमाओं और परस्पर तुलना को सरल रूप से प्रस्तुत करता है तथा दृढ़ता है कि आज के समय में विकास को मापने का सबसे उपयुक्त दृष्टिकोण क्या होना चाहिए। जीडीपी की बात करें तो विकास मापने का यह पश्चिम द्वारा विकसित पारंपरिक पैमाना है, यह किसी देश की भौगोलिक सीमाओं के भीतर एक निश्चित अवधि, सामान्यतः एक वर्ष में, उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्यांकन को दर्शाता है। यह कृषि, उद्योग और सेवा तीनों क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियों को एक संख्या में समेट देता है। इसे विकास का पैमाना इसलिए माना गया

क्योंकि यह आर्थिक गतिविधि और उत्पादन क्षमता का एक स्पष्ट संकेत देता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगभग सभी देशों द्वारा इसे अपनाए जाने के कारण देशों के बीच तुलना भी आसान हो जाती है। निवेशक यह समझ पाते हैं कि कौन-सी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, सरकारें कर-संग्रह और रोजगार सृजन का अनुमान लगा पाती हैं और नीति-निर्माताओं को विकास दर का एक त्वरित संकेत मिल जाता है। लेकिन जीडीपी की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि यह मात्रा को महत्व देता है, गुणवत्ता को नहीं। यह यह नहीं बताता कि आय का वितरण समाज में कितना समान या असमान है। यदि जीडीपी बढ़ रहा है, तो भी हो सकता है कि उसका लाभ केवल सीमित वर्ग तक सिमट जाए। पर्यावरणीय क्षति, प्रदूषण, वनों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन को जीडीपी विकास मान लेता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, मानसिक संतोष और जीवन-स्तर की गुणवत्ता जैसे मानवीय पहलुओं को यह नजरअंदाज करता है। वास्तव में जीडीपी यह तो बताता है कि “कितना उत्पादन हुआ” पर यह नहीं बताता कि उस उत्पादन से लोगों का जीवन कितना बेहतर, सुरक्षित और सुखद हुआ। इसके अलावा, विध्वंस और विकास दोनों प्रकार की गतिविधियाँ जीडीपी की गणना में शामिल हो जाती हैं। किसी प्राकृतिक आपदा के बाद पुनर्निर्माण से भी जीडीपी बढ़ सकता है, जबकि वास्तविकता में समाज को भारी नुकसान हुआ होता है। इस दृष्टि से जीडीपी स्टरेटेजिकविटी आधारित अर्थव्यवस्था के लिए एक अपूर्ण माप है। वहीं एनडीपी नेट घरेलू उत्पाद जीडीपी का अधिक यथार्थवादी रूप है, नेट घरेलू उत्पाद, जीडीपी को कुछ

प्रमुख सीमाओं को सुधारने का प्रयास करता है, जैसे कि एनडीपी की गणना में जीडीपी से मूल्यवत्स घटा दिया जाता है। मूल्यवत्स मतलब मशीनों, भवनों, कारखानों, संसाधनों और अन्य पूंजीगत संपत्तियों की समय के साथ होने वाली टूट-फूट और क्षरण। इस दृष्टि से एनडीपी यह दर्शाता है कि उत्पादन प्रक्रिया में लगी पूंजी को बनाए रखने के बाद देश ने वास्तव में कितना नया मूल्य सृजित किया। इसलिए इसे जीडीपी की तुलना में अधिक यथार्थवादी माना जाता है। यह दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता का बेहतर संकेत देता है और यह नीति-निर्माताओं को यह समझाने में मदद करता है कि विकास टिकाऊ है या केवल संसाधनों के क्षरण पर आधारित है। हालाँकि, एनडीपी भी विकास की संपूर्ण तस्वीर प्रस्तुत नहीं करता। यह भी मानव कल्याण, सामाजिक संतुष्टि और खुशहाली को सीधे मापने में असमर्थ है।पर्यावरणीय संतुलन, सामाजिक न्याय और जीवन की गुणवत्ता जैसे तत्व इसमें शामिल नहीं होते। इस प्रकार, एनडीपी आर्थिक दृष्टि से जीडीपी से बेहतर अवश्य है, लेकिन यह भी विकास के मानवीय और नैतिक पक्ष को पूरी तरह नहीं समेट पाता। यह बताता है कि अर्थव्यवस्था कितनी स्वस्थ है, पर यह नहीं बताता कि आम नागरिक का जीवन अनुभव कैसा है। अब आते हैं जीएनएच पर विकास के मानवीय और सनातन दृष्टिकोण का, जीएनएच मतलब सकल राष्ट्रीय खुशी। जीएनएच की अवधारणा विकास को केवल धन, उत्पादन और उपभोग से नहीं जोड़ती, बल्कि इसे मानव सुख-समृद्धि और उसकी सततता से मापती है। यह मानती है कि अर्थव्यवस्था का अंतिम उद्देश्य केवल वस्तुओं का उत्पादन नहीं, बल्कि मनुष्य को सुखी,

संतुलित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। जीएनएच के अनुसार खुशहाली का आधार सुख है, और सुख ही विकास का अंतिम लक्ष्य होगा चाहिए। इसके प्रमुख घटक मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, शिक्षा की गुणवत्ता और समान अवसर, पर्यावरणीय संतुलन और प्रकृति के साथ सामंजस्य, सुरासन, पारदर्शिता और सामाजिक विश्वास, कार्य-जीवन संतुलन आ समुदायिक संबंध, संस्कृतिक मूल्य और सामाजिक समरसता है। जीएनएच का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह विकास को मानव-केंद्रित बनाता है। यह नीति-निर्माताओं को यह दिलाता है कि आर्थिक वृद्धि साध्य नहीं, बल्कि साधन है। हालाँकि, जीएनएच की भी अपनी चुनौतियाँ हैं। जैसे खुशी और संतोष को मापना स्वभावतः कठिन है। यह अधिकतर गुणात्मक आकलन पर आधारित होता है। वैश्विक स्तर पर इसके व्यापक रूप से न अपनाए जाने के कारण अंतरराष्ट्रीय तुलना जटिल हो जाती है। त्वरित नीतिगत निर्णयों में इसे सीधे लागू करना आसान नहीं है। इसके बावजूद, आधुनिक समय में जब मानसिक तनाव, सामाजिक विघटन और पर्यावरण संकट बढ़ रहे हैं, जीएनएच की दृष्टिकोण अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है। अब आते हैं कौन-सा पैमाना बेहतर है? इस प्रश्न का उत्तर एक शब्द या एक संकेतक में नहीं दिया जा सकता। जीडीपी आवश्यक है एक आंकड़े के रूप में क्योंकि बिना आंकड़े के कोई भी देश शिक्षा, स्वास्थ्य या सामाजिक सुरक्षा में निवेश नहीं कर सकता लेकिन इसे विकास का अंतिम पैमाना नहीं माना जा सकता।

■**पंकज जायसवाल**

प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा

दुनिया एक बार फिर उसी पुराने और खतरनाक सवाल के सामने खड़ी है कि क्या अंतरराष्ट्रीय कानून सिर्फ कमजोर देशों के लिए है? क्या अमेरिका को यह अधिकार है कि वह तय करे कि कौन वैध राष्ट्रपति है, कौन अपराधी, और किस देश में किसकी सत्ता रहेगी? वेनेजुएला में अमेरिकी हस्तक्षेप और वहां के राष्ट्रपति को पकड़कर मुक्त करके चलाना कोई अचानक घटित घटना नहीं अपितु यह इस नीति की अगली कड़ी है, जिसे अमेरिका दशकों से अलग-अलग नामों से लागू करता आया है। कभी “लोकतंत्र की रक्षा”, कभी “इराके के खिलाफ युद्ध”, और कभी “मानवाधिकार”। नाम बदलते रहे, इरादा वही रहा ताकत के दम पर दूसरे देशों के प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा करने एवं वहां अपनी मानसंद के शासक बैठाने राजनीति। अमेरिका यह कहकर अपने कदमों को सही उठराने की कोशिश कर रहा है कि वेनेजुएला “नार्को-स्टेट” बन चुका था। सवाल यह है कि अगर किसी देश में अपराध है, तो क्या इसका फ़ैसला वांशिगटन करेगा? ओर सच्चा भी वही देगा? ओर यदि ऐसा होता है तो फिर वहां की सरकार शासन एवं प्रशासन की क्या भूमिका रह जाएगी? हो सकता है नई पीढ़ी या जैन जी को लगे कि वेनेजुएला जैसी घटना पहलेली बार घटित हुई है लेकिन ऐसा नहीं है अमेरिका पहले भी एक बार नहीं अलग-अलग तरीकों से अलग-अलग जगह पर कई बार ऐसा कर चुका है थोड़े बहुत अंतर के साथ। उदाहरण के लिए पनामा के मैनूएल नोरीएगा को याद कीजिए जिसे पहले अमेरिका ने पात-पोसकर सत्ता में रखा और फिर जब वह ‘अनुपयोगी’ हो गया, और मनमानी करने लगा तो 1989 में पनामा के इस सर्व शक्तिशाली सेना अध्यक्ष को पहले तो अपहरण कर अमेरिका लाया गया और फिर वहीं मुकदमा चलाया और उसे 30 वर्ष जेल में रखा गया और फिर वहीं मुकदमा राष्ट्र ने निंदा तो की, लेकिन अमेरिका बेपरवाह रहा। यही पैटर्न आज वेनेजुएला में दोहराया जा रहा है। सच बात तो यह है कि संयुक्त राष्ट्र संघ या सुरक्षा परिषद जैसे संगठनों पर पूर्ण तरीके से अमेरिका का कब्जा है और यदि वह अमेरिका के खिलाफ़ जाना भी चाहते हैं तो उनके पास इतनी ताकत नहीं है। 12 जनवरी की रात को दुनिया को हतप्रभ कर देने वाली राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के अपहरण की घटना के साथ भी सब कुछ खत्म होता नहीं दिख रहा है बल्कि वेनेजुएला के बाद मेक्सिको और कोलंबिया को लेकर अमेरिकी चेतानिर्णी बताती हैं कि यह मामला एक देश तक सीमित रहने वाला नहीं है। ड्रग तस्करी और सीमा सुरक्षा की आड़ में सैन्य कार्रवाई की भाषा दरअसल पुराने औपनिवेशिक दृष्टिकोण की वापसी है, जिसमें लैटिन अमेरिका को अमेरिका का प्रभाव-क्षेत्र माना जाता था। यह वही इलाका है जिसने अमेरिकी हस्तक्षेपों की सबसे भारी कीमत चुकाई है, कभी तख्तापलट,कभी गृहयुद्ध, और कभी आर्थिक तबाही की मार लैटिन अमेरिकी देशों ने बार-बार सही है। ‘अमेरिका फर्स्ट’ के नारे के साथ सत्ता में लौटे डोनाल्ड ट्रंप लैटिन अमेरिकी देशों की सीमा एवं परिधि से बाहर भी यदि ऐसी कार्रवाई करने तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। अमेरिकी मनमानी के एक नहीं कई उदाहरण हैं. 1980 के दशक में अमेरिका ने इराक पर रासायनिक हथियार रखने का आरोप लगाकर भीषण हमला किया बाद में यह आरोप झुठे निकले तब संयुक्त राष्ट्र ने कहा था कि इराक युद्ध अवैध था।

■**घनश्याम बावल**

तलवार की धार पर भारत की विदेश नीति!

अमेरिका की ‘दादागिरी’ और दबंगई पुरानी है। यह दुनिया भर में कम से कम सवा सौ साल से चली रही है। इस अवधि में और आक्रामकता आयी है। इसी दौरान दो बार विश्व युद्ध हुए। सोवियत संघ के रूप में दुनिया में दूसरी महाशक्ति बनी तथा उसका पराभव हुआ। कालान्तर में चीन बड़ी ताकत बन और वह अब भी ऐसा लगता है। बावजूद इसके, दुनिया बहुध्रुवीय हो गयी है जहाँ समय-समय पर अनेक गुट बनते, बढ़ते, बदलते और विगड़ते रहते हैं; फिर भी अमेरिका को चुनौती देने की ताकत किसी एक क्या, कई देशों के समूहों तक में नहीं दिखती। वजह इन सबके निहित स्वार्थ हैं। नतीजतन, अमेरिका अब धौंस के साथ दुनिया का ‘खौफनाक दरोगा’ हो गया है। वह जब, जहाँ, जिस तरीके से चाहता है मनमानी करता है। ताजा मामला वेनेजुएला के राष्ट्रपति के अपहरण और गिरफ्तारी का है। अचरज यह है कि अमेरिका यह सब लोकतंत्र और मानवाधिकार की रक्षा के नाम पर करता है! ऐसी स्थिति में भारत का मौन बहुध्रुवीय दुनिया की कसौटी पर है। यह ठीक है कि इस

वक्त हमारा भारत “बड़ी आर्थिक शक्ति” बनने को अग्रसर है और इसके मद्देनजर “सुरक्षात्मक नीति” (डिफेंसिव पालिसी) आवश्यक होती है लेकिन चाहे वेनेजुएला की बात हो या, पड़ोसी बॉर्लादेश में हिन्दुओं की हत्या का मामला, भारत का मुखर होकर गवचे ऐसा न हो, तो हैरान अवश्य करता है क्योंकि भारत सदा से विश्व शांति का पक्षधर रहा है। दुनिया आज दिखने में तो भले बहुध्रुवीय हो चुकी है, लेकिन शक्ति सन्तुलन की असल तस्वीर बहुत असमान है। एक ओर अमेरिका है जो अपने हित में देशों के समूहों तक में नहीं दिखती। वजह इन सबके निहित स्वार्थ हैं। नतीजतन, अमेरिका अब धौंस के साथ दुनिया का ‘खौफनाक दरोगा’ हो गया है। वह जब, जहाँ, जिस तरीके से चाहता है मनमानी करता है। ताजा मामला वेनेजुएला के राष्ट्रपति के अपहरण और गिरफ्तारी का है। अचरज यह है कि अमेरिका यह सब लोकतंत्र और मानवाधिकार की रक्षा के नाम पर करता है! ऐसी स्थिति में भारत का मौन बहुध्रुवीय दुनिया की कसौटी पर है। यह ठीक है कि इस

वक्त हमारा भारत “बड़ी आर्थिक शक्ति” बनने को अग्रसर है और इसके मद्देनजर “सुरक्षात्मक नीति” (डिफेंसिव पालिसी) आवश्यक होती है लेकिन चाहे वेनेजुएला की बात हो या, पड़ोसी बॉर्लादेश में हिन्दुओं की हत्या का मामला, भारत का मुखर होकर गवचे ऐसा न हो, तो हैरान अवश्य करता है क्योंकि भारत सदा से विश्व शांति का पक्षधर रहा है। दुनिया आज दिखने में तो भले बहुध्रुवीय हो चुकी है, लेकिन शक्ति सन्तुलन की असल तस्वीर बहुत असमान है। एक ओर अमेरिका है जो अपने हित में देशों के समूहों तक में नहीं दिखती। वजह इन सबके निहित स्वार्थ हैं। नतीजतन, अमेरिका अब धौंस के साथ दुनिया का ‘खौफनाक दरोगा’ हो गया है। वह जब, जहाँ, जिस तरीके से चाहता है मनमानी करता है। ताजा मामला वेनेजुएला के राष्ट्रपति के अपहरण और गिरफ्तारी का है। अचरज यह है कि अमेरिका यह सब लोकतंत्र और मानवाधिकार की रक्षा के नाम पर करता है! ऐसी स्थिति में भारत का मौन बहुध्रुवीय दुनिया की कसौटी पर है। यह ठीक है कि इस

ठिकाने से पकड़ लिया और अमेरिकी जहाज पर ले जाकर उन्हें अपने यहाँ मुकदमे के लिए बन्दी बना लिया। अमेरिका इसके पहले कम से कम चार विभिन्न देशों में ऐसी हरकत को अंजाम दे चुका है। 1901 में 23 मार्च को पहली बार उसने फिलीपींस के तत्कालीन राष्ट्रपति एर्मिलियो एगुइनाल्डो को एक सैनिक कार्रवाई में इसी प्रकार बन्दी किया कि कोशिशें और सौझिशें भले जारी हों, उन्हें भारत पर सीधे कोई कार्रवाई की कल्पना भी नहीं हो सकती। वजह साफ है कि भारत अब बड़ी आबादी वाला देश और बड़ी अर्थव्यवस्था ही नाला, एक बड़ा बाजार है जिसके पेटे में पूरा चीन, अमेरिका जैसे चार और जनसंख्या में रूस की तरह 10 से अधिक देश समा जाएँगे। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को 3 जनवरी (2026) की रात अमेरिकी विशेष बलों ने “डेल्टा फोर्स” की अगुवाई में गुप्त अभियान के तहत राजधानी काराकस के एक सैन्य

■**डॉ. मत्स्येन्द्र प्रभाकर**

— आज का कार्टून

अच्छा समय शुरू होने के संकेत

प्रकृति कई बार हमें कुछ संकेतों के जरिए बताती है कि आने वाला समय कैसा होगा। ऐसे में आज हम आपको बताते वाले हैं कि अच्छा समय शुरू होने से पहले क्या संकेत आपको मिलते हैं। हर व्यक्ति चाहता है कि उसके जीवन की सभी परेशानियां दूर हो और अच्छा समय आए। अगर आपकी भी ये चाहत है और आपको कुछ विशेष संकेत दिख रहे हैं तो समझ जाइए कि आपका अच्छा समय जल्द ही शुरू होने वाला है। आज हम आपको उन्हीं संकेतों के बारे में बताते जा रहे हैं जो अच्छा समय शुरू होने से पहले आपको दिख सकते हैं। आइए विस्तार से जानते हैं इनके बारे में।



शंख की आवाज

अगर आपको सुबह या शाम के समय बार-बार शंख की ध्वनि सुनाई देना शुरू हो जाए तो समझ जाइए अब बुरा समय खत्म होने वाला है। शंख की ध्वनि का सुनाई देना या ऐसा प्रतीत होना की कहीं शंख बज रहा है बेहद शुभ माना जाता है। ऐसा होने पर आपके जीवन में सुख समृद्धि आती है।

रसोई घर या किचन की ऊर्जा सकारात्मक होना बेहद जरूरी है। वहीं, कई बार हम जाने-अनजाने में रसोई घर में ऐसी चीज रख देते हैं, जिनसे नेगेटिव ऊर्जा का संचार होता है। किचन की नेगेटिव एनर्जी

किचन में न रखें ये चीजें

आपके भोजन को भी प्रभावित कर सकती है, जिससे स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है। इसलिए खुद को और परिवार को स्वस्थ रखने और घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने के लिए किचन में रखी इन चीजों को आज ही बाहर निकाल दें।
 □ कभी भी किचन में ज्यादा समय तक गुथा हुआ आटा नहीं रखना चाहिए। फ्रिज या किचन में रात भर के लिए गुथा हुआ आटा रखने से राहु और शनि के बुरा प्रभाव झेलने पड़ सकते हैं साथ ही नेगेटिव ऊर्जा भी बढ़ जाती है।
 □ कुछ लोग अपने किचन को



सजाने के लिए शीशे का इस्तेमाल करते हैं। वहीं, किचन में लगा कांच का शीशा नेगेटिव ऊर्जा का कारण बन सकता है। रसोई घर में आईना लगाने से घर की सुख-शांति छिन सकती है।

□ किचन में गंदगी नकारात्मक ऊर्जा का कारण बनती है। वहीं, कभी भी रात में किचन में जुटे बर्तन नहीं छोड़ने चाहिए। रातभर किचन में जुटे बर्तन रखने से मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं और आपकी आर्थिक स्थिति भी डगमगा सकती है।

□ कुछ लोगों को किचन में दवाइयां रखने की आदत होती है। घर के रसोई में दवाइयां रखने से घर के सदस्यों खासतौर पर मुखिया की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए रसोई घर में दवाइयां न रखें।

सदियों के मौसम का कहर जारी है और उत्तर भारत में लोग ठंड से सिंकुड़ रहे हैं। ऐसे में खानपान का और बांडी का खास ख्याल रखने के लिए एक्सपर्ट बता रहे हैं। शरीर को केवल बाहरी लेयर से ही नहीं बल्कि अंदर से मजबूत बनाने की जरूरत होती है। जिससे कि इम्युनिटी मजबूत रहे और शरीर गर्म रहे जिससे ठंड ना लगे। बांडी के सारे अंगों की तरह ही आंखों की देखभाल भी जरूरी होती है। अक्सर घर से बाहर निकलते वक्त हम शरीर को तो अच्छी तरह से प्रोटेक्ट कर लेते हैं। लेकिन आंखों पर जरा भी ध्यान नहीं देते। जिसकी वजह से कई बार आंखों में ठंड लग जाती है और इन परेशानियों का सामना करना पड़ता है। तो चलिए जानें ठंड लग जाने पर आंखों में कौन सी द्रव्यकतें नजर आती हैं और इनसे कैसे बचा जाए।

ठंड लगने पर आंखों में दिखते हैं ये लक्षण:
 ठंड की वजह से हवाओं में नमी नहीं रहती। वहीं घर के अंदर भी लोग हीटर, ब्लोअर चलाकर रखते हैं जिससे कि कमरा गर्म

रहे। ऐसे में आंखों पर इसका बुरा असर पड़ता है और आंखों के नेचुरल टीयरस खत्म होने लगते हैं। ऐसे में ये लक्षण दिखते हैं।
 • आंखों में ड्राईनेस महसूस होती है।
 • आंखों में खुजलाहट होती है

आंखों पर ठंड का असर



और इरिटेशन महसूस होती है।
 • इसके साथ ही आंखों में लालपन रहता है और कई बार दर्द भी महसूस होता है।
 • कम तापमान की वजह से वायरस तेजी से फैलते हैं और आंखों में ठंड की वजह से कई बार कंजेटिवाइटिस होने का भी डर रहता है।
 • अगर आप बहुत ज्यादा देर ठंड में बाहर हैं और लगातार आंखों में सर्द हवाएं लग रही हैं

तो इनकी वजह से कॉन्जिया को भी नुकसान हो सकता है। ठंड से आंखों को कैसे बचाएं:
 • घर से निकलने के साथ ही सनग्लासेज जरूर लगाएं। ये चश्मे ना केवल धूप से बचाते हैं बल्कि सर्द हवाओं को सीधे आंखों पर लगने से भी प्रोटेक्ट करते हैं।
 • आंखों में लूब्रिकेटिव आई

ड्रॉप्स डालें, जिससे आंखों में ड्राईनेस की समस्या खत्म हो।
 • घर और ऑफिस में जलने वाले हीटर और गर्माहट फैलाने वाली चीजों की वजह से ड्राईनेस हो जाती है। ऐसे में आंखों को मॉइश्चर देना जरूरी है।
 • आंखों को बार-बार झपकाते रहें, जिससे कि आंखों में मॉइश्चर बना रहे।
 • पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें बले ही प्यास ना लगे। इससे आंखों में भी मॉइश्चर बना रहता है।
 • विटामिन एक, सी और ई से भरपूर फूड्स खाएं। गाजर, आंवला, मटर, सेम, चुकंदर, फूलगोभी, ये सारे फूड्स आंखों के लिए फायदेमंद हैं।

बच्चों के लिए हो प्यार भरा माहौल

नियमित संवाद है जरूरी

अपने बच्चे के साथ खुला और सहज संवाद बनाकर रखें। उनकी भावनाएं समझने की कोशिश करें और यदि वह आपके साथ कुछ साझा करते हैं, तो उनके ऊपर भरोसा जरूर जताएं। उन्हें यकीन दिलाएं कि आप उनकी परेशानी समझती हैं और उसे सुलझाने के लिए हमेशा उनके साथ हैं। बनाएं दोस्ती का रिश्ता हमेशा माता-पिता की तरह व्यवहार करने के बजाय अपने बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार कायम करें। उनके शौक का हिस्सा बनकर, तल्लीनता से उनकी बातें सुनकर और सामान्य गलतियों को हंसकर टाल देने से आपके और बच्चों के रिश्ते में मजबूती आएगी और वह आपसे

माता-पिता को अपने बच्चे को सुरक्षित तथा प्यार भरा माहौल भी देना होगा, ताकि वे अपनी समस्याओं से अकेले जुझने की बजाय सहजता से अपनी समस्याएं और मन की बातें आपके साथ साझा कर सकें। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अब जागरूकता फैलाने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार माता-पिता को

अपने बच्चे को सुरक्षित और खुशनुमा माहौल तैयार करना होगा, क्योंकि ज्यादातर समय बच्चों का अपने पेरेंट्स के साथ घर में बीतता है। ऐसे में हर माता-पिता को अपने नन्हें-मुन्ने बच्चों का ख्याल रखना जरूरी है, ताकि वे भविष्य में अच्छे नागरिक बन सकें। आइए जानते हैं बच्चों पर ध्यान देने योग्य बातें...

बिना डरे अपनी बातें साझा कर सकेंगे।

कायम करें मिसाल

बच्चों का पहला स्कूल घर और पहले गुरु उनके अभिवाचक ही होते हैं। यानी उनमें अच्छी या बुरी आदतों की नींव घर से ही पड़ती है। इसलिए जरूरी है कि उनके सामने आप अपनी मजबूत और संवेदनशील छवि कायम करें। जो गुण आप उनके भीतर देखना चाहते हैं, उन्हें पहले अपने

व्यक्तित्व में शामिल करें। आपको देखकर बच्चे को खुद-ब-खुद आपके जैसा बनने की प्रेरणा मिल जाएगी।

थोड़ी हील भी है जरूरी

बच्चों को अनुशासन सिखाना बहुत जरूरी है, लेकिन हर समय इसका पाठ पढ़ाने से वह तनाव की चपेट में आ सकता है। आज के जमाने में छोटी कक्षाओं से ही उन पर



पढ़ाई और परीक्षाओं का बहुत दबाव होता है, इसलिए कभी-कभार उन्हें छुट्टी देनी भी जरूरी है, जिसमें वह सिर्फ खेल-कूद और मस्ती कर सकें। ऐसा करने से बच्चा न केवल तरोताजा हो जाएगा बल्कि उसे भरोसा भी होगा कि आप हर समय सिर्फ सख्ती नहीं बरतती हैं।

अच्छी आदतों को प्रोत्साहन

मानसिक सेहत दुरुस्त रखने के लिए शारीरिक स्वास्थ्य का अच्छा होना बहुत जरूरी है। इसलिए बचपन से ही अपने बच्चे में अच्छी आदतों की नींव डालें। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, समय से जागने और सोने का सही समय तथा भावनात्मक स्थिरता कुछ ऐसे अच्छे गुण हैं, जो उन्हें तनाव मुक्त रखने के लिए जरूरी हैं।

यथार्थवादी बनना सिखाएं

जीवन में सब कुछ हमारी मर्जी के मुताबिक नहीं होता है और ऐसा भी जरूरी नहीं कि हमेशा आप अव्वल ही आएँ। अपने बच्चे को व्यवहारिक बनने का हुनर सिखाएं ताकि वह जीत की खुशी के साथ हार को भी सकारात्मक तरीके से स्वीकार सके। जब हम खुले दिल से परिणाम स्वीकारना सीख जाते हैं, तो तनावग्रस्त होने की आशंका अपने आप कम हो जाती है।

हेल्दी हैबिट्स अपनाएं

बैलेंस डाइट

रोजमर्रा के खाने में हम जो भी खाते हैं उसका असर केवल शरीर पर ही नहीं बल्कि दिमाग पर भी होता है। इसलिए हमेशा हेल्थ को बैलेंस करने वाले फूड खाने चाहिए। अनाज, दाल, प्रोटीन, हेल्दी फैट्स के सा ही थोड़ी मात्रा में काब्यं भी जरूरी है। साथ ही कैफ़ीन, चाय, एल्कोहल, मीठे फूड को छोड़ने से मेंटल हेल्थ पर असर दिखने लगेगा।

फिजिकल एक्टिविटी है जरूरी

अगर आप दिनभर बैठे रहते हैं और फिजिकली काफी कम एक्टिव हैं। तो इसका बुरा प्रभाव मानसिक तनाव के रूप में भी दिखेगा। हर दिन किया गया फिजिकल वर्क शरीर में एंडोर्फिन हार्मोंस को बढ़ाता है। जो कि मूड बूस्टर हार्मोन है।

ब्रीदिंग एक्सरसाइज

तनाव को कम करना है तो खुद की सांसों पर नियंत्रण

मेंटली स्ट्रॉंग होना जरूरी है। इसका असर रोजमर्रा के कामों पर भी पड़ता है। हर दिन के छोटे-मोटे काम और बातों का असर अक्सर दिमाग पर होता है और इसीसे स्ट्रेस या तनाव में आ जाता है। इस तरह के तनाव से निपटने के लिए हर दिन किए गए काम ही मदद करते हैं। अगर स्ट्रेस फ्री लाइफ जीनी है तो कुछ हेल्दी हैबिट्स को फॉलो करना शुरू कर दें। जिससे कि मेंटल हेल्थ पर असर ना पड़े।

जरूरी है। इसके लिए ब्रीदिंग एक्सरसाइज, योग, मेंडिटेशन को डेली लाइफ में शामिल करें। ये सारी एक्सरसाइज दिमाग को शांत रखने में मदद करती है। अगर आप तनाव की स्थिति में गहरी सांस लेना शुरू कर देते हैं तो ये आपको स्ट्रेस होने से रोक सकती है।

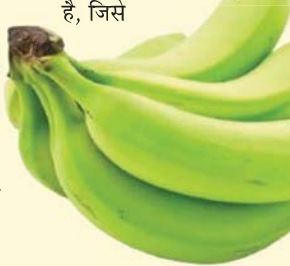


भरता....नाम सुनते ही कई लोग के मुंह में पानी आ जाता है। पूरी हो या फिर पराठा भरता काफी अच्छा लगता है। हालांकि, कुछ सब्जियां होती ही ऐसी हैं जिनका भरता ही बनाया जाता है जैसे- बैंगन आदि। मगर हर बार बैंगन का भरता नहीं खाया जा सकता, खाते-

कच्चे केले का चोखा

खाते हम बोर हो जाते हैं। इसलिए अब वक्त है कुछ नया ट्राई करने का, जी हां अगर आप चाहें तो कच्चे केले का भरता बनाकर खा सकते हैं। बता दें इसे आप न सिर्फ रोटी बल्कि लिट्टी के साथ भी सर्व कर सकते हैं। केले का भरता को कई लोग चोखा के नाम से भी जानते हैं और इसे सिर्फ लिट्टी के साथ बनाते हैं। बता दें कि कच्चे केले से आप बहुत आसानी से

भरता बना सकते हैं। हालांकि, इसे बनाने के कई तरीके हैं जिसे लोग अपनी पसंद के हिसाब से बनाते हैं। मगर हम बिल्कुल बिहारी स्टाइल में चोखा तैयार करेंगे। वैसे तो बैंगन या आलू का चोखा बनाया जाता है, जिसे बनाने में काफी वक्त लगता है। मगर यकीन मानिए केले का चोखा बनाने में आपको ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।



बनाने का तरीका

चोखा बनाने के लिए सबसे पहले कच्चे केले को धोकर पतले-पतले हिस्सों में काट लें। फिर प्रेशर



जब तेल गर्म हो जाए तो कटी हुई प्याज, टमाटर डालकर हल्का ब्राउन कर लें। प्याज पक जाने के बाद मैश किए हुए केले डालें और अच्छी तरह से मिस कर लें। मिस करने के बाद केले में तमाम मसाले जैसे- नमक, हरी चटनी, लाल मिर्च, अमचूर पाउडर, अदरक, धनिया के पत्ते आदि डाल दें। लगभग 10 मिनट तक पका लें और गैस बंद कर दें। बस आपका स्वादिष्ट चोखा तैयार है, जिसे आप लिट्टी के साथ सर्व कर सकते हैं।

चेहरे को निखरा और बेदाग बनाने के लिए हर दिन लड़के और लड़कियां स्ट्रगल करते हैं। ऐसे में एक तेल है जो इन समस्याओं को जड़ से खत्म कर सकता है। आर्गन ऑयल काफी मशहूर तेल है, जिसे आयुर्वेद में भी गुणकारी माना गया है। ये खास तरह के नट्स होते हैं जिनसे निकला तेल स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इस तेल को रोजाना लगाने से स्किन की इन समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

स्किन का डीलापन खत्म करें

आर्गन ऑयल का इस्तेमाल एंटी एजिंग ट्रीटमेंट के लिए किया जाता है। इसे रोजाना चेहरे पर लगाने से स्किन की इलास्टिसिटी बढ़ती है। जिससे स्किन में होने वाले डीलेपन से छुट्टी मिलती है।

ऑयली स्किन के लिए फायदेमंद

ऑयली स्किन से परेशान लोगों को चेहरे पर आर्गन ऑयल का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होता है। इस तेल को लगाने से स्किन में हो रहे ज्यादा सीबम प्रोडक्शन को रोकने में मदद मिलती है। जिससे स्किन का तैलीयपन कम होता है। रोजाना कुछ बूंद

आर्गन ऑयल की लगाने से ऑयलीनेस दूर होती है।

स्ट्रेच मार्क्स कम करता है

आर्गन ऑयल स्किन के डीलेपन को खत्म करता है। इसलिए अगर इसे स्ट्रेच मार्क्स पर लगाया जाए तो ना केवल स्ट्रेच मार्क्स को कम करता है बल्कि इसके निशान को

भी हल्का करने में मदद करता है।

स्किन को मॉइश्चराइज करता है

आर्गन ऑयल स्किन को मॉइश्चराइज तेजी से करने में मदद करता है। इसीलिए इसका इस्तेमाल ज्यादातर क्रीम और मॉइश्चराइजर में किया जाता है। ये स्किन में पानी की मात्रा को बनाकर रखता है। जिससे स्किन हाइड्रेटेड रहती है और ग्लो भी करती है।



दिमाग तंदुरुस्त

इसके अलावा, सुबह में व्यायाम और योग करने से भी दिमाग और शरीर दोनों ही बेहतर ढंग से काम करते हैं। शोधों से पता चला है कि सुबह के समय किया गया व्यायाम वजन कम करने और फिटनेस लेवल बढ़ाने में अधिक प्रभावी होता है। इस प्रकार, साईंस की दृष्टि से देखा जाए तो सुबह

जल्दी उठकर हल्का व्यायाम और योग करना स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद है। यह हमारे शरीर और दिमाग को तंदुरुस्त बनाए रखने में मदद करता है।

तनाव कम होना

दरअसल, सुबह के समय हमारा शरीर कुछ खास हार्मोन्स बनाता है जिनसे हमारा मूड अच्छा रहता है। जो स्ट्रेस और तनाव कम करने का काम करता है। अगर हम सुबह 4-5 बजे के



बीच में उठ जाएं, तो हमारा शरीर पर्याप्त मात्रा में कॉर्टिसोल बना लेता है। दिनभर के कामों को करने का मन बेहतर रहता है। यही कारण है कि सुबह की सैर या व्यायाम भी अधिक लाभदायक होता है। इसलिए डॉक्टर भी सुबह जल्दी उठने की सलाह देते हैं।

दिमाग होता है तेज

सुबह जल्दी उठने से दिमाग में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, जिससे हमारी याददाश्त और

सुबह जल्दी उठने के फायदे

ध्यान देने की क्षमता बेहतर होती है। दरअसल, सुबह के समय हवा में ऑक्सीजन की मात्रा सबसे अधिक होती है। जब हम सुबह जल्दी उठकर हल्की सैर करते हैं या योगाभ्यास करते हैं, तो हमारे फेफड़ों को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिलती है। यह ऑक्सीजन हमारे रक्त के जरिए दिमाग तक पहुंचती है और दिमाग को ताजा बनाती है। ताजा दिमाग से हमारी स्मरण शक्ति, ध्यान केंद्रित करने, विचार करने की क्षमता में सुधार होता है। यही कारण है कि डॉक्टर भी सुबह की सैर की सलाह देते हैं।

दर्शकों को फिर डराने आ रहे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में से एक है। यह हॉरर-कॉमेडी फिल्मों में से एक है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म 14 साल बाद हॉरर-कॉमेडी के बादशाह डायरेक्टर प्रियदर्शन और सुपरस्टार अक्षय कुमार की दमदार वापसी को दर्शाती है, एक ऐसा टी-यूनियन जो जबरदस्त एंटरटेनमेंट का वादा करता है।



पहले पोस्टर के लॉन्च के बाद से ही उत्साह सातवें आसमान पर था और फिर आए दिलचस्प मोशन पोस्टर ने फिल्म को लेकर पहले से बने जबरदस्त बज को और भी बढ़ा दिया। अब लंबे इंतजार के बाद फिल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है और यह मच अवेटेड हॉरर-कॉमेडी 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इस घोषणा के साथ ही फैस का उत्साह एक नए लेवल पर पहुंच गया है। भूत बंगला आधिकारिक तौर पर 15 मई 2026

को रिलीज हो रही है। रिलीज डेट के ऐलान ने दर्शकों की बेसब्री को और भी बढ़ा दिया है। हॉरर और कॉमेडी का परफेक्ट मेल, वो भी इस जॉनर के उस्ताद प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की जोड़ी के साथ, यह फिल्म उस सिनेमाई जादू को दोबारा रचने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसकी कमी दर्शक लंबे समय से महसूस कर रहे थे। रिलीज डेट की घोषणा करते हुए मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर किया और कैप्शन लिखा, बंगले से एक खबर आई है! 15 मई

2026 को खुलेगा दरवाजा सिनेमाघरों में मिलते हैं #BhoothBangla भूत बंगला को एक कम्प्लीट एंटरटेनर बनाने वाली सबसे बड़ी वजह इसकी दमदार स्टारकास्ट है, जिसमें अक्षय कुमार, तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, जिशु सेनगुप्ता, असरानी और वामिका गब्बी जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं। फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग राजस्थान, जयपुर और हैदराबाद में भी की गई है, जो कहानी को एक शानदार विजुअल अंदाज देती है।

विवेक ओबेरॉय के साथ सुखियों में आईं श्रेया शर्मा



अभिनेत्री श्रेया शर्मा, जिन्होंने हाल ही में मस्ती 4 में अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा, अब अपने करियर की एक बड़ी छलांग के लिए तैयार हैं। श्रेया जल्द ही फिल्म मिस्टर एंड मिसेज ग्रे में फीमेल लीड के रूप में नजर आएंगी, जहां वह पहली बार विवेक ओबेरॉय के साथ स्क्रीन साझा करेंगी।

इस घोषणा के साथ ही फिल्म को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है, जो श्रेया के अभिनय सफर में एक नए और रोमांचक अध्याय की शुरुआत मानी जा रही है। अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और लगातार बदलते, चुनौतीपूर्ण किरदारों के चयन के लिए पहचानी जाने वाली श्रेया की मिस्टर एंड मिसेज ग्रे में कार्टिंग इस बात का संकेत है कि वह अब और अधिक गहराई व परफॉर्मेंस-ड्रिवन प्रोजेक्ट्स की ओर बढ़ रही हैं। यह फिल्म जटिल रिश्तों और भावनात्मक उतार-चढ़ाव को पड़ताल करने वाली बताई जा रही है, जिसमें श्रेया का किरदार अनुभवी अभिनेता विवेक ओबेरॉय के साथ एक अहम भूमिका निभाएगा। प्रोजेक्ट को लेकर बात करते हुए श्रेया शर्मा ने इस फिल्म की अपने लिए अहमियत पर एक भावुक और विस्तार से भरा नोट साझा किया। उन्होंने कहा, मिस्टर एंड मिसेज ग्रे मेरे पास उस समय आई,

जब मैं जानबूझकर ऐसा किरदार तलाश रही थी जो मुझे भावनात्मक और रचनात्मक रूप से चुनौती दे। श्रेया ने कहा, विवेक ओबेरॉय के साथ काम करना एक अद्भुत सीखने का अनुभव है—वह हर सीन में गहराई और सच्चाई लेकर आते हैं। कहानी तीव्र, वास्तविक और बेहद परतदार है, और मेरा किरदार एक शक्तिशाली भावनात्मक सफर से गुजरता है। मैं निर्माताओं की आभारी हूँ कि उन्होंने मुझ पर इतना मजबूत किरदार निभाने का भरोसा किया, और मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक इस फिल्म से गहराई से जुड़ेंगे। ईंडस्ट्री से जुड़े लोगों का मानना है कि मिस्टर एंड मिसेज ग्रे श्रेया शर्मा के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकती है, जो उन्हें एक उभरती हुई प्रमुख अभिनेत्री के रूप में स्थापित करेगी। मस्ती 4 ने जहां उन्हें लोकप्रियता दिलाई, वहीं यह नई फिल्म उनके अभिनय को ठोस आधार देने वाली है।



भूमिका चावला ने बताया अपना 2026 का प्लान

तेरे नाम, एम.एस. धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी और रन जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुकीं अभिनेत्री भूमिका चावला साल 2026 को लेकर बेहद उत्साहित हैं। वह जल्द ही फिल्म 'केसर' में नजर आने वाली हैं। नए जोश और ऊर्जा के साथ वह नए साल में नए अवसरों को अपनाने और एक सकारात्मक व फलदायी साल की उम्मीद कर रही हैं। नए साल से जुड़ी अपनी उम्मीदों और लक्ष्यों पर बात करते हुए भूमिका कहती हैं, मैं 2026 का स्वागत एक नई शुरुआत के रूप में कर रही हूँ। मैं सकारात्मकता और विकास के साथ आगे बढ़ना चाहती हूँ। मेरी इच्छा है कि मैं लगातार काम करती रहूँ, सीखती रहूँ और समय के साथ खुद को बेहतर बनाती रहूँ। भूमिका मनोरंजन जगत में सफलता, नाम, शोहरत और पैसा को वह इस इंडस्ट्री के उप-उत्पाद मानती हैं। इस पर वह कहती हैं, ये सभी चीजें जरूरी हैं, लेकिन सफर के दौरान मानसिक शांति और खुश रहना उससे भी ज्यादा अहम है। नाम, शोहरत, पैसा, मानसिक संतुलन और शारीरिक स्वास्थ्य—ये सभी बराबर महत्व रखते हैं। हालांकि, भूमिका इस बात पर खास जोर देती हैं कि स्वास्थ्य से कभी समझौता नहीं किया जाना चाहिए। वह कहती हैं, जब हम स्वस्थ होते हैं, तो हमें आसपास कई और समस्याएं नजर आती हैं। लेकिन जैसे ही स्वास्थ्य से जुड़ी एक भी समस्या आती है, तब एहसास होता है कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसलिए सेहत हमेशा पहले होनी चाहिए।



रोहित शेट्टी का छलका दर्द, बोले- अवॉर्ड से कोई रिश्ता-नाता नहीं

मैं इस बात के बारे में जिक्र किया है। उनका ये बयान काफी वायरल हो रहा है, जिससे सुनकर फैस भी हेरान रह गए हैं। रोहित ने अवॉर्ड के बारे में बात करते हुए क्या कहा है। इंडियन नेशनल सिने एकेडमी की प्रेस मीट में रोहित शेट्टी ने मजाकिया अंदाज में कहा- 'मैं पीछे खड़ा था। मुझे लगा कि मुझसे कोई सवाल नहीं पूछेगा। क्योंकि अवॉर्ड से मेरा दूर तक कोई रिश्ता-नाता नहीं है। मैंने 17 फिल्में डायरेक्ट की हैं। लेकिन अवॉर्ड में मैं सिर्फ होस्टिंग के लिए जाता हूँ। सिनेमा में चल रही नॉर्थ-साउथ बहस पर उन्होंने कहा, 'जब से सिनेमा बना है तब से वहां के प्रोडक्शन हाउसेस यहां फिल्में बनाते रहे हैं और यहां के डायरेक्टर वहां फिल्में बनाते रहे हैं। ये सब 1950 के दशक से होता आ रहा है। एल वी प्रसाद जैसे बड़े डायरेक्टर ने कई हिंदी फिल्में बनाई हैं। अमिताभ बच्चन की 70 के दशक की कई फिल्मों के रीमेक भी वहां बने हैं।'



श्वेता त्रिपाठी ने फिल्म 'पलकों पे' की शूटिंग पूरी की

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने अपनी आने वाली फिल्म 'पलकों पे' की शूटिंग भोपाल में पूरी कर ली है। फिल्म 'पलकों पे' की शूटिंग पिछले साल दिसंबर में शुरू हुई थी और भोपाल एवं उसके आसपास के कई लोकेशन पर लगातार और कड़ी शूटिंग शेड्यूल के साथ पूरी की गई, जिसने पूरी टीम को रचनात्मक और शारीरिक रूप से चुनौती दी। 'पलकों पे' में श्वेता त्रिपाठी के साथ अभिषेक चौहान और ईशान नकवी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म को विज्ञापन जगत के चर्चित फिल्ममेकर निधीश पूडूक्कल ने लिखा और निर्देशित किया है। यह फिल्म एक सामाजिक ड्रामा है, जो जेंडर समानता और मानसिक स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषयों को बहुत ही मानवीय और सच्चे अंदाज में दिखाती है। कहानी का केंद्र श्वेता द्वारा निभाया गया किरदार श्रद्धा अग्रवाल है। फिल्म का निर्माण राहुल गांधी की टेम्बू एंटरटेनमेंट और सलीम जावेद की जरिया एंटरटेनमेंट ने किया है।

TVK प्रमुख और एक्टर थलापति विजय की फिल्म जन नायकन (जन नेता) की रिलीज फिलहाल टाल दी गई है। इस बारे में जानकारी बुधवार को फिल्म के प्रोडक्शन हाउस KVN प्रोडक्शंस ने दी है। प्रोडक्शन हाउस ने बताया कि यह फैसला लेना आसान नहीं था। फिल्म की रिलीज डेट टलने को लेकर अपने बयान में प्रोडक्शन हाउस ने कहा, "हमें यह जानकारी भारी मन से शेयर करनी पड़ रही है। 9 जनवरी को रिलीज होने वाली फिल्म जन नायकन को कुछ ऐसे कारणों की वजह से टाल दिया गया है, जो हमारे कंट्रोल में नहीं थे।" KVN प्रोडक्शंस ने यह भी कहा कि फिल्म की नई रिलीज डेट जल्द घोषित की जाएगी। साथ ही दर्शकों से धैर्य बनाए रखने और प्यार देने की अपील की गई।



विजय की फिल्म जन नायकन की रिलीज डेट टली

फिल्म का सर्टिफिकेट जारी नहीं हुआ प्रोडक्शन हाउस के बयान में फिल्म के टलने का कारण नहीं बताया गया। हालांकि, यह फैसला ऐसे समय लिया गया, जब तय समय पर केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) की ओर से फिल्म को सर्टिफिकेट जारी नहीं किया गया। फिल्म 18 दिसंबर 2025 को सर्टिफिकेशन के लिए भेजी गई थी। शुरुआती जांच के बाद कुछ कट्स के साथ U/A सर्टिफिकेट देने की बात हुई, लेकिन फाइनल सर्टिफिकेट जारी नहीं हुआ। बाद में फिल्म को रीवाइजिंग कमेटी के पास भेज दिया गया, जिससे प्रोसेस और लंबी हो गई। CBFC ने बताया था कि फिल्म को लेकर एक शिकायत मिली थी, जिसमें धार्मिक भावनाओं और सेना के चित्रण से जुड़े मुद्दे उठाए गए थे। जिस पर फिल्म के निर्माताओं का कहना था कि यह शिकायत साफ नहीं है और इसमें किसी का नाम भी नहीं है। इसी वजह से उन्होंने इस फैसले को चुनौती दी। सर्टिफिकेट में देरी के कारण मामला मद्रास हाईकोर्ट पहुंचा। मेकर्स ने कोर्ट से तुरंत राहत की मांग की थी। हालांकि, बुधवार को कोर्ट ने इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखा, जिससे फिल्म की टाइमलाइन और उलझ गई।

काजोल ने ग्लैमरस अदाओं से जीता फैस का दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल 51 साल की उम्र में भी अपनी अदाओं से फैस को दीवाना बना देती हैं। एक्ट्रेस का ग्लैमरस लुक देखकर अंदाजा लगाना मुश्किल होता है कि वह दो बच्चों की मां हैं। चाहे ट्रेंडिंग हो या वेस्टर्न काजोल हर आउटफिट में लगती हैं। इस बार काजोल ने अपना बॉस लेडी लुक फैस संग शेयर की है। काजोल नेवी ब्लू कलर के ब्लेजर के साथ पैटर्स पहने नजर आ रही हैं। ब्लेजर का सिर्फ एक बटन बंद कर काजोल बेहद सजिलिंग अंदाज में पोज देती दिख रही हैं। काजोल ने रॉसी मेकअप और खुले बालों के साथ अपना लुक कम्प्लीट किया है। साथ ही उन्होंने गोल्डन कलर के राउंड शैफ इयरिंग्स और कलाई पर चंकी ब्रेसलेट फेंकी किया है। तरवीरों में काजोल एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही है। काजोल की स्माइल ने फैस का दिल जीत लिया है। इन तरवीरों के साथ काजोल ने कैप्शन में लिखा, आज का शब्द है स्पडल... बिना किसी नतीजे के बहुत व्यस्त दिखते हुए, अप्रभावी ढंग से काम करना।

इधर 'तू मेरी मैं तेरा' हुई धड़ाम

कार्तिक आर्यन ने अपने करियर में कई शानदार फिल्मों में काम किया है, जिसे लोगों का भी अच्छा रिसर्पोन्स मिला। और उसकी सफलता ही एक्टर की सबसे बड़ी यूएसपी भी है। लंबे वक्त से कार्तिक आर्यन डायरेक्टर की पहली पसंद बने हुए हुए हैं। वहीं उनके खाते में भी कुछ बड़ी फिल्में शामिल हैं, जिसमें से एक रिलीज हो गई है। जो है- 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी'। वहीं 'अनुराग बसु' की म्यूजिकल ड्रामा और 'नागजिला' भी लिस्ट में है। एक पर काम चल रहा है, तो एक के लिए सही रिलीज डेट ढूंढी जा रही है। इसी बीच कार्तिक आर्यन की अपकमिंग फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आ गया है। कहा जा रहा है कि उनकी फिक्चर को पोस्टपोन कर दिया जाएगा। पर क्यों और किस फिल्म की बात हो रही है। जब बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर' की आधी चल रही थी, उस वक्त कार्तिक आर्यन भी अपनी फिल्म को सिनेमाघरों में ले आए। 125 दिसंबर को उनकी 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' रिलीज हुई। जिसमें अनन्या पांडे के साथ रोमांटिक केमिस्ट्री भी देखने को मिली। लेकिन फिल्म को जनता का वैसा प्यार नहीं मिला, जैसी मेकर्स ने उम्मीद लगाई थी। 14 दिनों में



फिल्म भारतीय बॉक्स ऑफिस से टोटल 32.81 करोड़ का बिजनेस कर पाई है। वहीं, दुनियाभर से अबतक 50 करोड़ रुपये तक भी नहीं पहुंच पाई है। अब 'नागजिला' की रिलीज को आगे बढ़ाने की खबर आ गई है।

द राजा साब के साथ प्रभास की हैट्रिक का तूफान

दर्रसे इकलौते भारतीय अभिनेता बन गए हैं जिनकी लगातार तीन फिल्में सलार: पार्ट 1 - सीज़फायर, कल्कि 2898 एडी और द राजा साब नॉर्थ अमेरिका में एडवांस बुकिंग में एक मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई कर चुकी हैं। प्रभास की बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फिल्म द राजा साब नौ जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।



यह अलग तरह की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ने और प्रभास की विरासत को और मजबूत करने के लिए तैयार है। यह उनकी जबरदस्त ग्लोबल लोकप्रियता को दिखाता है। हैदराबाद से लेकर हॉलीवुड तक फैस तेजी से टिकट खरीद रहे हैं। फिल्म की रिलीज से पहले का क्रेज तब और बढ़ गया, जब एक बड़े डिस्ट्रीब्यूटर का लीक हुआ ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस ऑडियो में डिस्ट्रीब्यूटर ने प्रभास की जमकर तारीफ की और कहा कि 'रिबेल स्टार' हर तरह की भूमिका में कमाल करते हैं। वे ऐसी कॉमेडी करते हैं कि लोग हंस-हंसकर लोटपोट हो जाते हैं, हॉरर और डरावने सीन में रोंगटे खड़े कर देते हैं और दमदार एक्शन से हीरोइज्म की नई मिसाल पेश करते हैं। इस लीक के बाद सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई है और बाहुबली स्टार की हैट्रिक को लेकर उम्मीद और बढ़ गई है। प्रभास की मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस के साथ यह फिल्म अब तक की उनकी सबसे अलग और बहुआयामी फिल्म मानी जा रही है, जो परिवार, थ्रिल पसंद करने वालों और एक्शन के शौकीनों सबको पसंद आएगी।

कैटरिना-विवकी ने दिखाई अपने बेटे की पहली झलक



बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरिना कैफ और विवकी कौशल के 7 नवंबर 2025 को एक प्यारे से बेटे के पेरेंट्स बने थे। कपल ने शादी के 4 साल बाद अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। फैस कैटरिना-विवकी के बच्चे की पहली झलक देखने के लिए काफी बेकरार थे। अब कैटरिना ने अपने बेटे की झलक दिखाते हुए उसका नाम भी रीविल कर दिया है। कैटरिना ने एक प्यारी सी तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है। इस तस्वीर में कैटरिना और विवकी अपने बेटे का नन्हा सा हाथ थामे दिख रही हैं। तस्वीर के साथ कपल ने कैप्शन में लिखा, 'हमारी उम्मीद की किशान विहान कौशल। दुआएं कबूल हुईं। जिंदगी खूबसूरत है। हमारी दुनिया पल भर में बदल गई। शब्दों से परे आभार।

प्रतिभाशाली गायिका पूनम झा का नया डांस पार्टी एल्बम 'मजा ले ले' कामाख्या बीट्स द्वारा रिलीज किया गया है जिसे दर्शकों का शानदार रिसर्पोन्स मिल रहा है। इस धमाकेदार गाने की स्पेशल स्क्रीनिंग पीवीआर आइकॉन अंधेरी मुंबई में की गई जिसमें गाने की पूरी टीम के साथ साथ मुख्य अतिथि बॉलीवुड के विख्यात कॉरियोग्राफर गणेश आचार्य, पूजा चोपड़ा भी उपस्थित थीं। फिल्म आशिकी के हीरो और बिग बॉस फेम राहुल रॉय और उनकी बहन 'हरि मी' प्रियंका ने मनोज झा और पूनम झा को बहुत बहुत बधाई दी। इस गाने के सिंगर्स पूनम झा और देव नेगी हैं जबकि वीडियो को निर्देशित किया है डायरेक्टर अभिषेक शर्मा ने। कॉरियोग्राफर विष्णु देवा हैं और डीओपी डडली (फिल्म चैनल) एक्सप्रेस के सिनेमैटोग्राफर हैं। बता दें कि इससे पहले पूनम झा के कई गीत रिलीज होकर लोकप्रियता और मिलियंस व्यूज हासिल कर चुके हैं। जी म्यूजिक कंपनी से रिलीज उनका पार्टी नम्बर 'नशे में हाई' अभिनेत्री पूजा बत्रा ने लॉन्च किया था। इस नए गाने मजा ले ले में पूनम झा, अनायरा गुप्ता और ईशान शंकर ने अभिनय किया है और इसे कामाख्या बीट्स द्वारा प्रस्तुत किया गया है।



पूनम झा के नए पार्टी सॉन्ग मजा ले ले लॉन्च

'मजा ले ले' का संगीत पवन मुरापुरी ने कंपोज किया है और बोल एस आर भारती ने लिखे हैं। वीडियो के ज्वेलरी पार्टनर कामाख्या ज्वेलर्स लिमिटेड हैं। चीफ गेस्ट गणेश आचार्य ने कहा कि मजा ले ले की पूरी टीम को बधाईयाँ और शुभकामनाएं। विष्णु देवा ने इसकी बेहतरीन कॉरियोग्राफी की है। अनायरा गुप्ता और ईशान शंकर ने कमाल का डांस किया है। पूनम झा ने गाने को बखूबी गाया और एक्ट भी किया है, मनोज झा को बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने बड़ी अच्छी सोच के साथ कामाख्या बीट्स म्यूजिक लेबल की शुरुआत की है।